ओमशान्ति मीडिया

मूल्यनिष्ठ समाज की रचना के लिए समर्पित

वर्ष -26 | मई- I - 2024 | अंक - 03 | माउण्ट आबू | Rs.-12

विश्व के कल्याण में जीवन न्योछावर किया दादी ने

चार दिवसीय शताब्दी महोत्सव के रंग में रंगा शांतिवन, डायमण्ड हॉल में भव्य कार्यक्रम

शांतिवन के विशाल डायमण्ड हॉल में देश-विदेश से आये हजारों लोगों की उपस्थिति में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान की मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी का 100वां जन्मोत्सव।

शांतिवन। ब्रह्माकुमारीज़ मुख्यालय के शांतिवन परिसर में संस्थान की मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी जी के 100वें जन्मदिवस के उपलक्ष्य में आयोजित चार दिवसीय शताब्दी महोत्सव के शुभारंभ पर दादी ने कहा कि खुद को भाग्यशाली समझती हूँ कि इस ईश्वरीय विश्व विद्यालय के स्थापना से लेकर आज तक इसकी साक्षी रही हूँ। अति. मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी ब्र.कु. मोहिनी दीदी ने कहा कि दादी ने अपना पूरा जीवन विश्व कल्याण और लोगों की भलाई के लिए लगा दिया। अति. मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी ब्र.कु. जयंती दीदी ने कहा कि परमात्मा और ब्रह्मा बाबा ने जिस विश्वास और भरोसे के साथ दादीजी को ज़िम्मेदारी सौंपी, उन्होंने उससे कई गुना बढ़कर अपने कर्मों से उदाहरण पेश किया। अति. महासचिव ब्र.कु. बृजमोहन भाई ने कहा कि दादी का जीवन नारी शक्ति की मिसाल है। - शेष पेज 3 पर...

शोभायात्रा निकाली: दादी के कॉटेज सरस्वती भवन से डायमंड हॉल तक शोभायात्रा निकाली गई। जिसमें सैकड़ों भाई-बहनों ने विशेष परिधानों में सजकर दादी की अगवानी की। इसके साथ ही महाराष्ट्र की परम्परागत ड्रेस में महिलाओं ने उनकी आरती उतारकर पुष्प वर्षा की। देवी-देवताओं के रूप में सजे लोगों का उमंग देखने योग्य था।

मुम्बई से आए चांद मिश्रा एवं ग्रुप के कलाकारों ने प्रस्तुति देकर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। सुप्रसिद्ध गायक हरीश मोयल ने अपने मधुर गीतों की प्रस्तुति से समा बांध दिया। आध्यात्मिक गीतों पर बच्चों ने अपनी कला बिखेरी। मुम्बई से आईं कुमारी वैष्णवी ने नृत्य की प्रस्तुति दी। गुजरात से आईं ब्र.कु. दीपिका ने कविता पाठ किया। मधुर वाणी ग्रुप के कलाकारों ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया।

विशेष

दादी को ‘डॉ. अब्दुल कलाम वर्ल्ड पीस अवॉर्ड’ तथा ‘महाकरुणा अवॉर्ड’ से नवाज़ा

ब्रह्माकुमारीज़ के शांतिवन में चल रहे शताब्दी महोत्सव के दूसरे दिन ब्रह्माकुमारीज़ की मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी को अखिल भारतीय मानवाधिकार परिषद् द्वारा डॉ. अब्दुल कलाम वर्ल्ड पीस अवार्ड और महाबोधि इंटरनेशनल मेडिटेशन सेंटर लेह लद्दाख द्वारा महाकरुणा अवॉर्ड से सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर महाबोधि इंटरनेशनल मेडिटेशन सेंटर के संस्थापक अध्यक्ष भिक्खू संघसेना ने कहा कि पुरुष प्रधान देश में महिलाओं को सम्मान देने का काम ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान ने किया है। यहां की बहनों ने पूरे विश्व के 140 देशों में अध्यात्म और राजयोग का परचम लहराया है। इस संस्था की प्रमुख दादी ने अपना पूरा जीवन मानवता की सेवा में लगाया है। यहां आने के बाद एक अलग ही ऊर्जा की महसूसता होती है। अखिल भारतीय मानवाधिकार परिषद नई दिल्ली के अध्यक्ष डॉ. एन्थनी राजू ने कहा कि दादी नारी शक्ति की एक मिसाल हैं। उनके सानिध्य में आज एक ऐसी फौज तैयार है कि जिसके माध्यम से पूरे जगत में मानवता का दीपक जगाया जा सके।

100वें जन्म दिन पर लंडन पार्लियामेंट में दादी रतन मोहिनी ‘24 प्रॉमिनेंट पर्सनालिटीज़ इन द वर्ल्ड 2024’ में शामिल

लंडन। ब्रह्माकुमारीज़ की मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी को ‘24 प्रॉमिनेंट पर्सनालिटीज़ इन द वर्ल्ड 2024’ में शामिल किया गया है। लंडन ऑर्गनाइज़ेशन ऑफ स्किल्स डेवलपमेंट ने पूरे विश्व से 24 प्रतिभाशाली लोगों को इसके लिए चुना है जिन्होंने विश्व में शांति तथा मानवीय मूल्यों को प्रस्थापित करने के लिए विशेष योगदान दिया है। ऐसे 24 प्रतिभाशाली व्यक्तियों की जीवनी को ‘कॉफी टेबल बुक’ में सम्मिलित किया गया है।

24 प्रॉमिनेंट पर्सनालिटीज़ इन द वर्ल्ड 2024 कॉफी टेबल बुक का विमोचन हाउस ऑफ कॉमन्स,ब्रिटिश पार्लियामेंट,लंडन में लंडन के मेम्बर ऑफ पार्लियामेंट बॉब ब्लॅकमन के हाथों से किया गया। इस अवसर पर लंडन ऑर्गनाइज़ेशन ऑफ स्किल्स डेवलपमेंट की डायरेक्टर मिसेस वर्ल्ड 2022 परीन सोमानी, लंडन ऑर्गनाइज़ेशन ऑफ स्किल्स डेवलपमेंट के ब्रांड एम्बेडेसर डॉ. ब्र.कु. दीपक हरके, हॅरो के मेयर रामजी चौहान, इकोनॉमिक फोरम के डायरेक्टर डॉ. हरी कृष्णा मारम, मेयरनेस मीना चौहान, ग्लोबल को-ऑपरेशन हाऊस लंडन की डायरेक्टर सिस्टर मॉरीन, ब्र.कु. हरिका, ब्र.कु. पोलिना, ब्र.कु. डॉ. त्रिवेणी, ब्र.कु. गीता आदि उपस्थित रहे एवं अपने विचार रखे।

इस मौके पर परीन सोमानी ने सभी का स्वागत करते हुए बताया कि एमेज़ॉन पर भी यह कॉफी टेबल बुक उपलब्ध है। वे अगले महीने लंडन से भारत आकर दादीजी को ‘24 प्रॉमिनेंट पर्सनालिटीज़ इन द वर्ल्ड 2024’ कॉफी टेबल बुक प्रदान करेंगी।

हम अपने इन-चार्ज बनें...

कुछ विशेष प्राप्त करने के लिए व्यक्ति व्रत रखते हैं, मन्नत मांगते हैं, इसके पीछे उनका उद्देश्य यही होता कि जो रुकावटें, बाधायें, कठिनाइयां हैं, उनसे मुक्त होना, आगे बढ़ना, जो प्राप्त करना चाहते हैं उसे गति देना। ये हर वर्ग के लोगों पर लागू होता है वह चाहे साधारण व्यक्ति हो, बिज़नेसमैन हो, प्रोफेशनल हो, चाहे स्टूडेंट हो, सभी अपने-अपने तरीके से आगे बढ़ने के लिए इस तरह के नियम व व्रत रखते हैं। इसी कड़ी में साधना के पथ पर चलने वाले भी समय-प्रति-समय अपने को और उच्चता की ओर अग्रसर करने के लिए कठोर साधना, उपासना व दृढ़ संकल्प करते हैं।

कहने का भाव यह है कि जहाँ हम हैं, उससे उच्चता व विकास की ओर आगे बढ़ें। साधना करने वाले जैसे कोई त्योहार आता है, शिवरात्रि, नवरात्रि, जन्माष्टमी तो उसमें वे व्रत रखते हैं ताकि वे सफलता की सिद्धि को प्राप्त कर सकें। स्थूल रूप में कोई सिर्फ जल पर अपना जीवन यापन करते, कोई उपवास करते, कोई नंगे पांव चलते, ऐसे-ऐसे अपने शरीर को कष्ट देते हैं। किंतु ये सब आंशिक रूप से तो ठीक है लेकिन उनसे कोई उनकी कामनायें पूर्ण रूप से अर्जित नहीं होती। जबकि आध्यात्मिक मार्ग में भी ऐसे ही साधक अपने आत्म-गौरव के लिए या उन्नति के लिए कुछ कठोर नियम व सिद्धान्त बनाते हैं। हम कहना ये चाह रहे हैं कि जब हमें आगे बढ़ना है आध्यात्मिक रूप से तो आत्मोन्मुख होना बहुत ज़रूरी है। उसके लिए अपने आप को आध्यात्मिक शक्तियों से चार्ज करना है अर्थात् सूक्ष्म शक्तियों को, वैल्यू को केंद्रित कर अपनी सच्चाई और सत्यता की कसौटी पर कसना है। कई बार कोई कहते हैं मैं इंचार्ज हूँ, इसका मतलब ये है कि जिस व्यवस्था को वो निर्देशित व संचालित करता है, उसकी उसे नॉलेज है, समझ है। अगर इंचार्ज शब्द को हम एनालाइज़ करें तो इन+चार्ज। इन माना अंदर, भीतर से अपने आप को चार्ज करना, जो भीतर में मौजूद है उसे एक्टिवेट करना, सशक्त बनाना, सशक्तिकरण करना। उसके लिए उसे इंट्रोवर्ट होना बहुत ज़रूरी है। यानी कि उसका स्वरूप बनना।

राजयोगी ब्र.कु. गंगाधर

आत्मा में मौजूद जो शक्तियां हैं उससे व्यक्ति आज पूर्णतः परिचित नहीं है। उसके कारण वो व्यवहारिक जीवन में अपने आप को कमज़ोर व असहाय महसूस करता है। जब हम इंट्रोवर्नेस होते हैं तो हम अपने आप से अर्थात् अपनी क्षमताओं से रूबरू होते हैं, शक्तियों से रूबरू होते हैं। फिर हम उसपर निरंतर फोकस होते हैं तब हमारा स्वमान जागृत होता है। अर्थात् हममें वो कर गुज़रने की पॉवर व उमंग उत्साह पैदा होता है जिससे हम आत्मिक शक्तियों का व्यवहार में उपयोग व प्रयोग करने की दिशा में प्रेरित होते हैं। माना कि बाह्य प्रभाव व बाह्य फोर्स से लड़ने का एक जज़्बा हमारे अंदर काम करने लगता है।

तो जब हमें ये समय मिला है तो हम साधना के भिन्न-भिन्न मुकाम हासिल करने के लिए अपने आप से एक प्रोग्राम बनायें और उसका दृढ़ता से पालन करें, क्योंकि हम जानते हैं समय नाज़ुक दौर से गुज़र रहा है, उसमें हमें न सिर्फ खुद को सुरक्षित रखना है अपितु दूसरों को भी सुरक्षा प्रदान करना हमारा कर्त्तव्य है। कहने का भाव ये है कि विश्व परिवर्तन के कार्य के लिए परमात्मा ने हमें चुना है, हमें योग्य समझा है तो उस कर्त्तव्य को हमें ईमानदारी से निभाना है। तो साथियों, हमें ज्ञान है और सबसे बड़ी बात, स्वयं परमात्मा का साथ हर पल हमारी मदद के लिए उपलब्ध है। ये बात स्वयं परमात्मा के शब्दों में- 'मैं हर पल आपके साथ हूँ, कम्बाइंड हूँ, आप अकेले नहीं हो।' तो उसका लाभ लेते हुए अपने कर्त्तव्यों का पालन करना हमारे लिए बहुत सहज भी है। सिर्फ हमें अपने अंदर मौजूद स्वमान को सही प्रारूप देकर परमात्मा के कार्य में मददगार बनना है। तो हम स्वयं को न सिर्फ ऊपरी तौर पर इंचार्ज समझें अपितु इन+चार्ज यानी भीतर से चार्ज होकर स्वरूप बनें।

आपका संकल्प, बोल और चेहरा ही बाप का साक्षात्कार करायेगा

राजयोगिनी दादी प्रकाशमणि जी

यह मौन भट्ठी है ही विशेष मन का मौन करके अपना मनोबल बढ़ाने के लिए, इसके लिए हरेक को गहराई से अपने आपमें चेक करना है कि हमारे मन में कहाँ तक शुद्ध संकल्प चलते हैं? कहाँ तक हम मन का मालिक राजा बन, मन वजीर को बाकायदे शुद्ध संकल्पों में, मनन चिंतन में रखते हैं? या मैं-मैं के देह अभिमान में व्यर्थ संकल्प चलते हैं? स्व के बदले पर को(दूसरे को) देखते-सोचते, संकल्प करते या ज्ञान सागर बाप के ज्ञान के खज़ाने का मनन करते हैं? मन के संकल्प सर्व प्राप्तियों में मगन रहते हैं? सर्व प्राप्तियों के खज़ानों को पाकर अपार खुशियों में रहते हैं?

मन में सकल्प पॉज़िटिव चलते या निगेटिव चलते? तो विशेष यह भट्ठी है खास इसी बात की चेकिंग करने की। हर प्रकार के निगेटिव थॉट्स को परिवर्तन कर पॉज़िटिव सोचो। जितना-जितना पॉज़िटिव सोचेंगे उतना मन की शुद्धि होती जायेगी, एकाग्रता बढ़ती जायेगी। पॉज़िटिव में भी स्व का चिंतन विशेष करना है। पर को देखने के बदले स्व को देखो। यह कभी नहीं सोचो कि मैं सेवाधारी हूँ, परन्तु मैं ईश्वरीय सेवाधारी हूँ, तो हमारा हर संकल्प, हर बोल, हर कदम सेवा में हैं या ईश्वरीय सेवा में हैं? यदि मैं सेवा में हूँ तो भी कहीं देह अभिमान या मैं पन आ जाता है। लेकिन मैं हूँ ही ईश्वरीय सेवा पर तो मेरा जो भी खाता है वह बाबा की दरबार में जमा है। तो हर एक अपना ईश्वरीय खाता चेक करो।

हम सभी का लक्ष्य है कि हमें बाप को प्रत्यक्ष करना है। तो बाप को प्रत्यक्ष करने के लिए हमें स्वयं में क्या धारणा करनी है? कई बार बाबा ने मुरली में कहा है तुम्हारा संकल्प, बोल, तुम्हारा चेहरा ही बाप का साक्षात्कार करायेगा। यह बहुत बड़ी ज़िम्मेदारी बाबा ने हम सबको दी है। तो खुद को देखो कि मैं बाप समान सम्पन्न बना हूँ? बाप समान सम्पन्न बनना माना ही सर्व विघ्नों से ऊपर निर्विघ्न अवस्था बनाना। सम्पन्न बनने का अर्थ है ही सर्व कमियों कमज़ोरियों को समाप्त करना। जैसे पढ़ाई में परीक्षा के दिन होते तो होशियार स्टूडेंट का लक्ष्य होता कि मुझे फर्स्ट डिवीजन में पास होना है। पास विद ऑनर बनना है। जब हम पास विद ऑनर्स हों तब तो धर्मराज की सजाओं से मुक्त हों। धर्मराज बाबा हमारा स्वागत करे। बाबा हमें अपनी भुजाओं में वेलकम करे। बाबा कहे ओ मेरे समान बच्चे! आओ। बाबा के समान की हमें मार्क्स मिलें, यह है इस भट्ठी का पुरुषार्थ।

जब हम पास विद ऑनर्स हो तब तो धर्मराज की सजाओं से मुक्त हों। धर्मराज बाबा हमारा स्वागत करे। बाबा हमें अपनी भुजाओं में वेलकम करे। बाबा कहे ओ मेरे समान बच्चे! आओ। बाबा के समान की हमें मार्क्स मिलें, यह है इस भट्ठी का पुरुषार्थ।

भट्ठी में कमज़ोरी का चिंतन नहीं करो। यह-यह कमज़ोरी है, उसे सोचकर एक बार बुद्धि से निकाल दो। चाहे उसे लिखकर निकालो, चाहे बुद्धि में दृढ़ संकल्प करके निकालो लेकिन यह चिंतन करो कि हमें ऐसी ऊंची स्थिति बनानी है। अपने आपको इतनी ऊंची दृष्टि से देखो कि बरोबर हम ऊपर में बाबा के साथ फरिश्तों की दुनिया में उड़ रहे हैं। नीचे में आकर, व्यक्तियों को देख व्यक्तित्व में अपना समय, शक्ति खर्च नहीं करो। यह बहुत बड़ी सूक्ष्म स्थिति बनाने की चैलेंज बाबा ने हमें दी है। कोई भी बात व्यक्त में आकर करेंगे तो जैसे पत्थर तोड़ेंगे लेकिन ऊपर से उड़ जाओ तो सभी बातें सहज ही क्रॉस को जायेंगी माना निवारण हो जायेंगी। तो जितना भी टाइम साइलेंस में बैठो उतना समय गहराई से अनुभव करो कि हम इस देह से परे उड़ गये हैं। उड़ना माना विदेही बन फरिश्तों की दुनिया में पहुंच जाना। जितना लाइट बन लाइट की दुनिया में, फरिश्ते स्थिति में रहने का अभ्यास करेंगे उतना ऑटोमेटिक मैंपन निकल जायेगा। और जितना यह अभ्यास करेंगे उतना जो भी कोई कमज़ोरी होगी, अपवित्रता के संस्कार आदि जो भी कुछ हैं वह सब खत्म हो जायेंगे।

सफलता के लिए दृढ़ता को अपनायें

योग के लिए टाइम नहीं मिलता कई भाई बहनें हमको क्वेश्चन पूछते हैं। जब मिलते हैं ना तो कहते हैं बहन जी हम बहुत कोशिश करते हैं कि योग करें लेकिन हमें टाइम ही नहीं मिलता। टाइम की बड़ी प्रॉब्लम है। काम ही ऐसा है। हम उनसे पूछते हैं एक बात। बताया है हमने पहले भी। तो आप सारे दिन में पानी पीते हो? कितने वारी पीते हो,

राजयोगिनी दादी हृदयमोहिनी जी

सात-आठ वारी तो पीते होंगे? और वो टाइम तो निकालते हो ना! कोई भी कड़ा डिक्टेटर(तानाशाह) होगा ना वो आपको पानी पीने की मना नहीं करेगा। हक है हमारा। अच्छा, पानी पीते हो उसमें एक मिनट लगता है? गिलास उठायेंगे साफ करेंगे, डालेंगे, पियेंगे। और पीने की तो आपको आदत है मुख में ही जायेगा, नाक में तो जायेगा नहीं। अभी वो टाइम तो मिलता है। उस टाइम में क्यों नहीं आप अपना चेक करो और चेंज कर लो। अगर मानो वेस्ट थॉट्स हैं तो चेक किया और चेंज कर लो। वेस्ट के बजाय बेस्ट थॉट जो हैं शुभ संकल्प मनन वो शुरू कर दो। इसमें टाइम क्या लगता है? मानो अभी मेरे को व्यर्थ संकल्प चल रहा है मैं उसको खत्म करके बेस्ट संकल्प करने जाती हूँ तो कितना टाइम लगेगा! कहने में भी ज़्यादा टाइम लगा। तो बाबा ने देखो कितनी विधियां और दूसरा हमने कहा जब हम खाना खाते हैं तो उस टाइम तो अकेला ही खायेंगे ना! कभी कोई पार्टी की वो बात अलग है। लेकिन तीन वारी तो खाते हो? चार वारी खाते हो। और खाने में तो 15-20 मिनट लग ही जाता है। उस समय सिर्फ बातें नहीं करो। अगर खाने का चार टाइम भी आप 15-15 मिनट अपना पुरुषार्थ करो, मन्सा सेवा करो आपका एक घंटा तो ही जायेगा। जो भी पर्सनल समय हमारा है जिसको कोई नहीं रोक सकता। चलो नीचे-ऊपर हो सकता है। दो बजे खाओ, चार बजे खाओ ये हो सकता है लेकिन खायेंगे तो सही ना! तो अपने पुरुषार्थ की अगर लगन है तो अटेन्शन है बाबा की श्रीमत याद है, मुझे बाबा ने जो कहा है वो करना ही है। करेंगे हो जायेगा, गा-गा तो बाबा को अच्छा नहीं लगता। करना ही है। बाबा ने एक मुरली में कहा कि जब आप चाहते नहीं हो बॉडी कॉन्सेस होना लेकिन फिर भी बॉडी कॉन्सेस हो जाते हो तो कमी क्या है? कमी है, बाबा ने कहा संकल्प करते हो, चेकिंग करते हो लेकिन दृढ़ता की कमी है। और सफलता की चाबी जो है, वो दृढ़ता है।

बापदादा से जो खज़ाने मिले हैं बुद्धि उसी में रमण करती रहे

राजयोगिनी दादी जानकी जी

बाप जानीजाननहार है, जहाँ ज़रूरत है अपने आप देता है। अगर हमारे में कोई कमी है तो बाबा का नाम बाला नहीं कर सकेंगे। मेरा नाम बाला हो, मुझे नाम चाहिए ही नहीं। पर मेरे बाबा का नाम हो, बाबा कितना कल्याणकारी है, किसी को अनुभव हो जाये, यह उसकी संतान हैं। आज की दुनिया में कोई भी निष्कामी, निरहंकारी नहीं हैं। अगर हमारे में ये दो बातें नहीं आयी तो सम्पन्नता बहुत दूर हो जायेगी। जो बाबा ने मुझ आत्मा प्रति कहा है वो मैं भूल जाऊं, बाकी बातें याद करूं तो मेरे जैसा मूर्ख कोई नहीं। कोई पराई और पुरानी बातें याद करना माना सब कुछ गंवा देना। सम्बन्ध में भी सहयोग नहीं मिलेगा, फिर सारा बोझ सिर पर आयेगा।

अपनी बुद्धि चलाने के बजाय, उसकी योग क्यों न लगाऊं। शुरू से लेकर अगर कोई हमारे में कमज़ोरी रही तो कमी भी रहेगी। ज्ञान का खज़ाना, समय का खज़ाना, गुणों का खज़ाना, शक्तियों का खज़ाना जो हमें मिला है। उस खज़ाने को सम्भालना और बढ़ाना है। उसी में बुद्धि रमण करती रहेगी तो जीवन में रमणीकता आयेगी।

मेरे जैसे को हंसाना मुश्किल था, मैं समझती थी ये भी टाइम वेस्ट है। पर यह अक्ल नहीं था कि रूहानियत में भी रहूं और रमणीकता भी रहे। रूहानियत अपने स्वमान में रखती है, रमणीकता मीठा स्वरूप नम्रता वाला औरों को समीप ले आता है इसलिए अपने पास इतना खज़ाना हो जो कोई भी सामने आये, अच्छी रूहानियत तो करे ना। अरे मुस्कुराऊं तो सही! अन्दर से अपने आपको बाबा समान बनाना है। हम बाप समान बनते जायें तो और समानता में समीप आते जायेंगे। संग में समान बनते जायेंगे। सच्चाई, स्नेह, समीपता बाबा के नज़दीक ले आती है। जो हमारे संग साथ है, उनको भी ऐसे फीलिंग हो कि हम बाबा के साथ रहते हैं। केवल मैं नहीं रहती हूँ, हम सब बाबा के साथ रहते हैं।

सम्पन्न बनने में मेरी कमी या दूसरे की कमी बीच में इन्टरफियर न करें। अगर मेरी कमी हुई तो दूसरों को भी तकलीफ होगी। या दूसरों के कमी की मुझे तकलीफ होती है तो वो मेरी कमज़ोरी हो गयी। उसमें सम्पन्नता तो और दूर हो जायेगी। अपने को सम्भालने के लिए बाबा एकदम सामने आ जाता है, तुम क्या कर रही हो। कभी हम बाबा को नहीं कह सकते कि बाबा यह बिगड़ गयी है, अरे तुम क्या कर रही थी! यज्ञ बाबा का सो हमारा है, इसने किया, नहीं कह सकते हैं। तुम क्या कर रही थी?

बाबा हमको क्या बनाने चाहता है, वो करके दिखाया है। कितना भगवान को प्यार है, मैं तो यही देखती रहती थी। इतना प्यार मुझ आत्मा में है। अगर मेरे में प्यार नहीं तो मैं सूखी काठी हूँ, और सूखी काठी आपस में रगड़ेगी तो आग लग जायेगी। फिर बुझाये कौन! तो प्यार का सागर मेरा बाबा, ज्ञान देता है और कहता है कि ज्ञानी तू आत्मा मुझे प्रिय लगती है। यह भी समझाया है कि ये सतोगुण हैं, ये आसुरी गुण हैं, छोटी-छोटी बातों में भी बाबा ने इतना ध्यान खिंचवाया है, हम उन बातों में ध्यान न रखें और बातों में ध्यान रहे तो बाबा कहेगा कि यह मोटी बुद्धि है।

बाबा के काम का मुझे बनना है, बाबा के साथ प्यार है ना! दिल दिलवाले को दी है, दिलवाले के साथ तपस्या कर रहे हैं। वह कहता है तुम मेरी दिलरूबा हो, अगर वह कहे तुम मेरे काम की नहीं हो, तो संगम पर जीना किस काम का! जो मुझे अच्छा लगता है वो मैं करूं, तो बाबा कहेगा तुम मेरे काम की नहीं हो।

सर्वशक्तिवान बाबा की शक्ति काम करती है, सिर्फ हम लेते जायें। अपनी कमज़ोरी, कमी में अगर वो शक्ति नहीं खींच सकेंगे तो क्या हाल होगा! संगमयुग की सुनहरी घड़ियां हैं, भगवान स्वयं पढ़ाकर लायक बना रहा है। तो जो कमी-कमज़ोरी है उसे खत्म करना है, दूसरों की कमी-कमज़ोरी नहीं देखना है। दूसरों की कमी मुझे कमज़ोर करेगी, पर मेरी कमी-कमज़ोरी को बाबा खत्म कर देगा।

विश्व के कल्याण में...

- पेज 1 का शेष...

महासचिव ब्र.कु. निर्वैर भाई, कार्यकारी सचिव ब्र.कु. डॉ. मृत्युंजय भाई, संयुक्त मुख्य प्रशासिका ब्र.कु. संतोष दीदी, संयुक्त मुख्य प्रशासिका ब्र.कु. मुन्नी दीदी, मीडिया प्रभाग के अध्यक्ष ब्र.कु. करुणा भाई, रशिया सेंट पीटर्सबर्ग स्थित ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेंद्रों की निदेशिका राजयोगिनी ब्र.कु. संतोष दीदी, ओम शांति रिट्रीट सेन्टर की निदेशिका ब्र.कु. आशा दीदी, जापान की निदेशिका ब्र.कु. रजनी दीदी, ब्र.कु. शशि दीदी, मुम्बई से आईं घाटकोपर सबज़ोन की निदेशिका ब्र.कु. नलिनी दीदी, मलेशिया की निदेशिका ब्र.कु. मीरा दीदी, हैदराबाद के शांति सरोवर की निदेशिका ब्र.कु. कुलदीप दीदी, युवा प्रभाग की उपाध्यक्ष ब्र.कु. चंद्रिका दीदी, जयपुर सबज़ोन निदेशिका ब्र.कु. सुषमा दीदी, ब्र.कु. अम्बिका बहन, ब्र.कु. सुनन्दा बहन, ब्र.कु. मंजू बहन, ब्र.कु. आत्म प्रकाश भाई, ग्लोबल अस्पताल के निदेशक डॉ. प्रताप मिड्ढा, सस्टेनेबल लीडरशिप जापान की कोच सिस्टर आई यूसुई, डॉ. बिन्नी आदि उपस्थित रहे एवं अपने विचार रखते हुए दादी को शुभकामनाएं दीं। संचालन जयपुर की ब्र.कु. चंद्रकला दीदी एवं ब्र.कु. वंदना बहन ने किया।

150 किलो ग्राम के ड्राई फ्रूट्स की पहनाई दादी को माला

इस शताब्दी महोत्सव को खास बनाने के लिए कानपुर सबज़ोन की ओर से डेढ़ सौ किलो ग्राम के ड्राई फ्रूट्स की माला दादी को पहनाई गई। इसमें मखाना, किशमिश, काजू तथा बादाम का इस्तेमाल किया गया। इस माला को 15 लोगों द्वारा दस दिन में बनाया गया।

निजी गुण, कर्म और स्वभाव की समानता के आधार पर महानता

लॉ यही कहता - "जैसा करोगे वैसा भरोगे"...

गतांक से आगे...

राजयोगी ब्र.कु. जगदीशचन्द्र हसीजा

जैसा कि पिछले अंक में आपने पढ़ा कि अभी ब्रह्माकुमार-कुमारी बनते हैं, उसके बाद वह विश्व के महाराज कुमार और महाराज कुमारियां बनते हैं, तो यह हमारा भविष्य है। वर्तमान में अगर कोई के लक्षण ठीक हैं तो वह विश्व के राज्य का अधिकारी बनेगा। अगर वह यहाँ ही फेल हो गया तो भविष्य में राज्य कहाँ से मिलेगा? अब आगे...

कई लोग यह सोचते हैं कि हम भविष्य में क्या बनेंगे? यह कोई हमें बताये। कभी बाबा से बोलने का हमें मौका मिले तो हम बाबा से पूछें कि बाबा हम पहले लक्ष्मी-नारायण के टाइम आयेंगे, दूसरे या तीसरे में आयेंगे, उनके परिवार में नज़दीक होंगे या क्या बनेंगे? थोड़ा बहुत तो हरेक को शौक होता है कि अगर हमें स्पष्ट रूप से पता लग जाये कि हम कहाँ आयेंगे, कैसे आयेंगे, क्या बनेंगे तो अच्छा होगा। लेकिन लॉ यह है कि "जैसा करोगे वैसा भरोगे", "जैसा बोओगे वैसा काटोगे" और बोया जाता है आज और काटा जाता है भविष्य में। अगर आप हो ही ठीक नहीं तो बनोगे क्या? तो इस प्रकार के प्रश्न पूछना ही फालतू है। जो हो उसके अनुसार बनोगे। कर्म का विधान है। कर्म की गति से हमारी सद्गति होगी। अगर अभी हमारे लक्षण ठीक नहीं हैं तो भविष्य भी हमारा ठीक नहीं है, तो कितनी बड़ी बात है! तो हमारी जो प्रैक्टिकल लाइफ है वह इतनी निर्मल हो, इतनी शक्तिशाली हो, ज्ञान की हमारे में इतनी स्प्रिट(धारणा) हो। योग की इतनी अपने में शक्ति हो, दिव्य गुण हममें इतने भरपूर हों जो उसका दूसरों पर प्रभाव पड़े। तब वह बदलेंगे, जो वचन वह बोलेगी वह इतने शक्तिशाली होंगे जैसे बाबा कहते हैं जौहर भरी तलवार जैसे होती है। वह दूसरे को लग जाये, असर करे। तो ब्रह्माकुमार-ब्रह्माकुमारी बनना माना कोई सफेद वस्त्र पहन लेना यानी लिख लेना या सेन्टर पर रहने की बात नहीं है लेकिन जो हमारी प्रैक्टिकल लाइफ है वह शक्तिरूपा हो, वह पवित्ररूपा हो।

पवित्रता और रूहानी शक्ति अगर नहीं है तो ब्रह्माकुमारी सिर्फ नाम की हो गई। वह जैसे एक आर्टीफिशियल गोल्ड होता है, एक रीयल गोल्ड होता है तो उसका मूल्य क्या हुआ? अपने में यह जज करो कि मुझ में कितनी रूहानी शक्ति भरी है? वह रूहानी शक्ति भरने की परीक्षा कैसे करोगे, कैसे मालूम पड़ेगा कि प्युरिटी की पॉवर कितनी आयी है? मुझ में कोई अशुद्ध संकल्प तो नहीं आते? कोई देहधारियों के प्रति आकर्षण तो नहीं होता? कोई किसी के प्रति ईर्ष्या-द्वेष तो पैदा नहीं होता? कोई मन में संसार के प्रति पहनने की, खाने की, घूमने की किसी भी प्रकार की इच्छायें तो नहीं हैं? अगर यह सब चिन्ह ठीक हैं, जैसे डॉक्टर भी जब जाँच करता है तो जुबान देखता है, नब्ज देखता है, थर्मामीटर लगाता है, हाथ पर स्टेथोस्कोप लगाके देखता है और ब्लड टेस्ट करता है, फिर टेस्ट करके कहता है कि आपको फलानी बीमारी है। तो हम लोग भी अपनी पवित्रता की और योग की शक्ति को चेक करें उसकी एक परख तो यह होगी कि उसका दूसरों पर प्रभाव पड़ेगा। - क्रमशः

> **थोड़ा बहुत तो हरेक को शौक होता है कि अगर हमें स्पष्ट रूप से पता लग जाये कि हम कहाँ आयेंगे, कैसे आयेंगे, क्या बनेंगे तो अच्छा होगा। लेकिन लॉ यह है कि "जैसा करोगे वैसा भरोगे", "जैसा बोओगे वैसा काटोगे" और बोया जाता है आज और काटा जाता है भविष्य में।**

भोपाल-म.प्र.। ब्रह्माकुमारीज़ भोपाल के वरिष्ठ राजयोगी ब्र.कु. डॉ. रावेन्द्र भाई को एल.एन.सी.टी. यूनिवर्सिटी भोपाल के तीसरे दीक्षांत समारोह में पी.एच.डी. की डिग्री प्रदान की गई। उन्हें यह पी.एच.डी. स्कूल ऑफ जर्नलिज़्म एवं मास कम्यूनिकेशन द्वारा 'कोराना महामारी के दौरान समाचार पत्रों में प्रकाशित आध्यात्मिक एवं सकारात्मक खबरों के अध्ययन' विषय पर शोध के तहत राज्यपाल मंगुभाई पटेल द्वारा प्रदान की गई। इस अवसर पर केन्द्रीय इस्पात एवं ग्रामीण विकास राज्य मंत्री भारत सरकार, मध्य प्रदेश शासन के मंत्री एवं अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

इंदौर-प्रेमनगर(म.प्र.)। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा जल दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में संजीव श्रीवास्तव,कार्यपालन यंत्री,जल प्रदाय,नगर पालिका निगम इंदौर, डॉ. अर्जुन वाधवानी,सर्जन,हड्डी रोग विशेषज्ञ, ब्र.कु. शशि दीदी,सेवाकेंद्र संचालिका,प्रेमनगर यूनिट, ब्र.कु. शारदा बहन,संचालिका,बैराठी कॉलोनी उपसेवाकेंद्र, ब्र.कु. यश्वनी बहन,संचालिका, बिजलपुर उपसेवाकेंद्र सहित अन्य भाई-बहनें उपस्थित रहे।

नदबई-भरतपुर(राज.)। होली मिलन समारोह के अवसर पर विधायक कुंवर जगत सिंह एवं उनकी धर्मपत्नी सौम्या सिंह को ईश्वरीय स्मृति चिन्ह भेंट करते हुए ब्र.कु. संतोष बहन व ब्र.कु. शिवानी बहन।

गाज़ियाबाद-मकनपुर(उ.प्र.)। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा महाशिवरात्रि के अवसर पर आयोजित कलश यात्रा एवं शिवलिंग की झाँकी में शामिल हुए निगम पार्षद राधेश्याम त्यागी का स्वागत करते हुए ब्र.कु. नीलम बहन। साथ हैं राजयोगिनी ब्र.कु. सुधा दीदी।

दिल्ली-पीतमपुरा। ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेंद्र में आयोजित 'तनावमुक्त जीवन' कार्यक्रम में ब्र.कु. अदिति बहन, एचडीएफसी बैंक पीतमपुरा के ब्रांच मैनेजर आलोक जी तथा विभिन्न बैंकों के अनेक कर्मचारियों सहित ब्र.कु. भाई-बहनें शामिल रहे।

भोपाल-म.प्र.। ब्रह्माकुमारीज़ की वरिष्ठ राजयोग प्रशिक्षिका राजयोगिनी ब्र.कु. डॉ. रीना दीदी को एल.एन.सी.टी. यूनिवर्सिटी भोपाल के तीसरे दीक्षांत समारोह में पी.एच.डी. की डिग्री प्रदान की गई। उन्हें यह डिग्री स्कूल ऑफ जर्नलिज़्म एवं मास कम्यूनिकेशन द्वारा 'कोविड 19 के दौरान भारत में सकारात्मकता को प्रचारित करने में आध्यात्मिक संचार की भूमिका का अध्ययन' पर शोध के तहत राज्यपाल मंगुभाई पटेल द्वारा प्रदान की गई। इस अवसर पर केन्द्रीय इस्पात एवं ग्रामीण विकास राज्य मंत्री भारत सरकार, मध्य प्रदेश शासन के मंत्री एवं अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

नेपाल-वीरगंज। सिमरा में आयोजित भव्य व्यापार महोत्सव में ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान को विशिष्ट अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया। इस मौके पर कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल मधेश प्रदेश के मुख्य मंत्री सरोज यादव, नेपाल संघीय सरकार के पशुपक्षी मंत्री ज्वाला कुमारी साह तथा अन्य विशिष्ट व्यक्तियों को ब्रह्माकुमारीज़ वीरगंज सबज़ोन की मुख्य संचालिका ब्र.कु. रविना दीदी ने ईश्वरीय संदेश देकर ईश्वरीय सौगात भेंट की तथा उन्हें संस्थान के मुख्यालय माउण्ट आबू आने का निमंत्रण दिया। इस मौके पर ब्र.कु. गुणराज, ब्र.कु. मधु, ब्र.कु. गोवर्धन, ब्र.कु. गोकुल सहित अन्य भाई-बहनें मौजूद रहे।

कोलकाता-प.बंगाल। ब्रह्माकुमारीज़ के कोलकाता म्यूज़ियम सेवाकेंद्र द्वारा डिपार्टमेंट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी,मिनिस्ट्री ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी,गवर्नमेंट ऑफ इंडिया के सबऑर्डिनेट ऑफिस नेशनल एटलस एंड थीमैटिक मैपिंग ऑर्गनाइज़ेशन में 'पॉज़िटिविटी इन नेगेटिव सिचुएशन्स' विषय पर प्रेरक कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इस मौके पर ब्र.कु. सुप्रिया,राजयोगा टीचर,माउण्ट आबू तथा ब्र.कु. मुनीष,राजयोगा टीचर,कोलकाता ने सत्र को सम्बोधित किया। साथ ही विनोद कुमार सिंह,डायरेक्टर,एनएटीएमओ ने अपनी शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम में 250 सीनियर ऑफिसर्स उपस्थित रहे।

वैर-भरतपुर(राज.)। 88वीं त्रिमूर्ति शिव जयंती के कार्यक्रम में शिव ध्वजारोहण करने के पश्चात् ईश्वरीय स्मृति में आगरा सब ज़ोन सह प्रभारी राजयोगिनी ब्र.कु. कविता दीदी, श्री रांगेय राघव महा विद्यालय के प्राचार्य बालकृष्ण शर्मा, ब्र.कु. गीता बहन, ब्र.कु. बबिता बहन, ब्र.कु. पावन बहन व ब्र.कु. संस्कृति बहन।

जयपुर वाटिका-राज.। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा 88वीं त्रिमूर्ति शिव जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित शिव-शंकर की भव्य झाँकी एवं 121 कलश यात्रा का शिव ध्वज दिखाकर शुभारंभ करते हुए केशव होंडा शोरूम के मैनेजर दिनेश चौधरी। साथ हैं सेवाकेंद्र संचालिका ब्र.कु. ज्योति बहन, ब्र.कु. मीनल बहन तथा अन्य। यात्रा में 400 से अधिक ब्र.कु. भाई-बहनें शामिल रहे।

घर के गेट खोलने की चाबी... वैराग्य वृत्ति

जैसे-जैसे बाबा से सम्बन्ध जुटता... वैसे-वैसे गहरी प्राप्ति होती जाती

राजयोगिनी ब्र.कु.जयंती दीदी,अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका,ब्रह्माकुमारीज़

गतांक से आगे...

जैसा कि पिछले अंक में आपने पढ़ा कि बाबा ने हमें भी मास्टर प्यार का सागर बना लिया, प्रेम स्वरूप बना दिया, ताकि अन्य आत्माओं को भी हम उस प्यार का अनुभव करा सकें। निःस्वार्थ प्यार जिसमें हमें उन्हों से कुछ नहीं चाहिए। परंतु हम प्यार के सागर की लहरें उन्हों तक पहुंचाते रहें। अब आगे पढ़ते हैं...

तो जब हम गिनती करते हैं कितना हमें सबकुछ मिला है तो फिर उस हिसाब से बाकी क्या रहा जो हमें इस संसार से चाहिए! और जबकि ये सोचते हैं कि बाबा खुद भी हमारा बन गया, भाग्यविधाता खुद भी हमारा इतना ऊंचा भाग्य बना रहे हैं तो फिर उसमें भी हम सोचते हैं कि बस औरों के साथ हम शेयर करते चलें। बाकी हमको कुछ चाहिए ये संकल्प ही नहीं रहता। कई कहते हैं हमको अपने लिए नहीं चाहिए परंतु सेवा के लिए चाहिए। क्यों, क्योंकि अनुभव ये कहता कि जिस तरह से माँ-बाप को मालूम होता कि बच्चे को क्या ज़रूरत है तो बच्चे को ये मालूम नहीं होता कि वो उसका वर्णन कैसे करे। उसको पता नहीं होता, बहुत छोटा बच्चा है। उसको ये भी नहीं मालूम होता कि उसे भूख है या प्यास है। माँ को पता चलता कि अभी टाइम हुआ है इसको कुछ खिलाना ज़रूरी है। तो माँ इतना ध्यान रखती। और आजकल तो भारत में मैंने सुना है कि जैसे ही बच्चे पैदा होते वैसे ही उनका स्कूल में, रजिस्टर में नाम लिखवा देते कि फलाने स्कूल में ये दाखिल होगा जब ये चार साल का होगा, इतना इन एडवांस प्लैनिंग करनी होती है यहाँ। तो बच्चे ने नहीं कहा कि मुझे अच्छे स्कूल में भेजो। बाप ने सोच लिया पहले से ही कि ये तो मेरा बेटा है उसको बहुत अच्छी पढ़ाई पढने के लिए बहुत अच्छे स्कूल में भेजना चाहिए।

तो हर बात में माँ-बाप पहले से ही ध्यान रखते हैं कि बच्चों को क्या चाहिए और बच्चे पहले से ही अनजान हैं तो पहले से ही उसकी ऐसी तैयारी कर लेते हैं जिससे उनको सबकुछ मिल जाए तैयार। तो हम बाबा के पास आये, हमको मालूम नहीं था क्या-क्या बाबा के पास मिलने वाला है, किसने हमको परिचय दिया या कैसे भी करके हम बाबा के दर पर पहुंच गये। और ये भी पता नहीं था कि कोई इस दरवाजे के द्वारा हमारी सब मनोकामनायें पूर्ण होने वाली हैं।

> ज्ञान क्या है समझा नहीं था। प्यार क्या है वो तो अनुभव की बात थी। परंतु जब संकल्प आया कि दादी के पास कुछ ज्ञान सुनने की इच्छा आई तो फिर जैसे-जैसे ज्ञान सुनते गये तो फिर तो बुद्धि का ताला खुलता गया। यही संकल्प आया छह सप्ताह के अन्दर कि बस मुझे यही अपनी जीवन बनानी है।

मैं तो जब पहले-पहले दादी जानकी के पास उनके बहुत छोटे से सेन्टर पर गई। मुझे तो सिर्फ जानने की इच्छा थी कि यहाँ से मुझे कुछ एजुकेशन के लिए कुछ मिलेगा। क्योंकि बचपन से पता तो था ब्रह्माकुमारीज़ का कि बाबा-मम्मा, दादियों से मुलाकात भी हुई। परंतु ज्ञान क्या है समझा नहीं था। प्यार क्या है वो तो अनुभव की बात थी। परंतु जब संकल्प आया कि दादी के पास कुछ ज्ञान सुनने की इच्छा आई तो फिर जैसे-जैसे ज्ञान सुनते गये तो फिर तो बुद्धि का ताला खुलता गया। यही संकल्प आया छह सप्ताह के अन्दर कि बस मुझे यही अपनी जीवन बनानी है।

तो आपने भी जब बाबा के द्वार में प्रवेश किया तब आपको भी मालूम नहीं था कि क्या-क्या प्राप्ति होने वाली है। परंतु बाबा ने पहले से ही आपका आह्वान करके अपने पास बुला लिया। राइट टाइम पर आप पहुंच गये। ज्ञान की बातें सुनी, बुद्धि का ताला खुलता गया और आपने सोचा यही श्रेष्ठ योगी जीवन मुझे अपनी बनानी है। तो बाबा की मदद से चलते रहे, चलते रहे मधुबन भी पहुंच गये तो अपना लक्ष्य जो और ऊंचा है गति, सद्गति का वहाँ भी अवश्य ही पहुंच ही जायेंगे।

जब ज्ञान की पहचान होती उसमें भी खास बाबा की पहचान होती, और योग लगना शुरू होता तो योग के द्वारा बाबा शुरू में बहुत सुन्दर अनुभव कराते हैं मेरा तो अनुभव ये कहता। क्योंकि बाबा देखता है कि बिछड़ा हुआ बच्चा मेरे पास लौट के आया है तो बाबा खूब-खूब प्यार देते हैं। और फिर और आगे चलते तो बाबा की बहुत गहरी बातें समझ में आने लगती। तो जैसे-जैसे बाबा से सम्बन्ध जुटता जाता तो और गहरी प्राप्ति होती जाती। सहज वैराग्य वृत्ति उत्पन्न हो जाती।

- क्रमशः

रीवा-म.प्र.। मानस भवन में होली एवं गीता ज्ञान यज्ञ के समापन कार्यक्रम में ब्र.कु. भारती दीदी, ब्र.कु. आदर्श दीदी, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष गिरीश गौतम,विधायक देवतालाब विधानसभा क्षेत्र, युवराज दिव्यराज सिंह विधायक सिरमौर क्षेत्र, नरेंद्र प्रजापति विधायक मनगवां, रीवा जनपद अध्यक्ष राजेश संगीता यादव, गंगेव जनपद अध्यक्ष विकास तिवारी, जवा जनपद अध्यक्ष बी.डी. रन्नौ पांडेय, पूर्व महापौर राजेश ताम्रकार, पूर्व महापौर वीरेंद्र गुप्ता, पूर्व जनपद अध्यक्ष श्रीमती मंजू सिंह व लाल बहादुर सिंह, मानस विदुषी श्रीमती ज्ञान अवस्थी, मानस मंडल के अध्यक्ष सुभाष बाबू पांडेय, मानस मंडल के सचिव अशोक तिवारी सहित रीवा संभाग के प्रमुख प्रशासनिक अधिकारीगण जिनमें संयुक्त संचालक अनिल दुबे सामाजिक न्याय विभाग, डॉ. के.एल. नामदेव संयुक्त संचालक स्वास्थ्य सेवाएं, भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी के अध्यक्ष डॉ. प्रभाकर चतुर्वेदी एवं जिले के सभी मंदिरों के पुरोहित, यज्ञाचार्य एवं हजारों भक्तों सहित बड़ी संख्या में शहर के लोग व ब्र.कु. भाई-बहनें शामिल रहे।

दिल्ली-डेरावल नगर। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर प्रतीक स्पेशल स्कूल,पीतमपुरा दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में दिव्यांग जनों के लिए की गई अमूल्य सेवाओं के लिए ब्र.कु. लता बहन को अवॉर्ड देकर सम्मानित किया गया।

सारनी-म.प्र.। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा आयोजित 'खुशियों का पासवर्ड' कार्यक्रम में मुम्बई से आये विश्वप्रसिद्ध कॉर्पोरेट ट्रेनर एवं मोटिवेशनल स्पीकर डॉ. सचिन परब ने गणमान्य नागरिकों को सम्बोधित किया। इस मौके पर लक्ष्मीकांत महापात्र,जीएम, डब्ल्यूसीएल पाथाखेड़ा, कैथवार जी,सीई,सतपुड़ा पॉवर प्लांट, सुभाष गुप्ता,डिप्टी चीफ इंजीनियर,सतपुड़ा पॉवर प्लांट, डॉ. रघुवंशी,मेडिकल ऑफिसर,सारनी, ब्र.कु. मंजू बहन,बैतूल, ब्र.कु. सुनीता बहन,सारनी, ब्र.कु. नंदकिशोर भाई आदि उपस्थित रहे।

तलेगांव-महा.। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में श्रीमंत सरदार उमाराजे दाभाडे, श्रीमंत सरदार यादन्यसेनीराजे दाभाडे, ब्र.कु. प्रभा बहन, डॉ. कृतिका बहन तथा अन्य भाई-बहनें शामिल रहे।

खांचरोद-म.प्र.। 88वीं त्रिमूर्ति शिव जयंती कार्यक्रम में शिव ध्वजारोहण करने के पश्चात् प्रतिज्ञा करते हुए नगर परिषद नामली उपाध्यक्ष पूजा योगी, सब जेल खांचरोद के जेलर सुरेंद्र सिंह राणावत, कथावाचक दिनेश व्यास, एडवोकेट परमानंद धाकड़, ब्रह्माकुमारीज़ रतलाम सेवाकेंद्र संचालिका ब्र.कु. सविता दीदी, ब्र.कु. गीता दीदी, नामली सेवाकेंद्र संचालिका ब्र.कु. संगीता दीदी तथा अन्य।

सम्पूर्ण अन्तवाहक फरिश्ता स्वरूप की ड्रेस पहन विचरण करें

जानें....

जब हमारा रिसीवर क्लीयर हो तब बाबा की टचिंग कैच कर सकते

राजयोगिनी ब्र.कु. उषा बहन, वरिष्ठ राजयोग प्रशिक्षिका

गतांक से आगे...

पिछले अंक में आपने पढ़ा कि बाबा शांति का टॉवर है, पवित्रता का टॉवर है, शक्ति का टॉवर है, ज्ञान का टॉवर है। ऐसे मुझे भी शांति का टॉवर, पवित्रता का टॉवर, शक्ति का टॉवर, ज्ञान का टॉवर बनना है। यानी उसकी हाइएस्ट स्टेज में अपने आप को स्थित करना है।

टॉवर माना सबसे ऊंचा। तो उसकी हाइएस्ट स्टेज में अपने आपको स्थित करना है। जब शांति का टॉवर बन जाती हूँ तो उस समय मन की स्थिति इतनी शांति की हो जैसे शांति के प्रकम्पन्न दूर-दूर पहुंच रहे हैं, जा रहे हैं। जैसे ये मोबाइल का टॉवर होता है ना वो कितना भी जंगल में हो तो भी दूर-दूर तक सिग्नल पहुंचाता है ना! ठीक इसी तरह बाबा भी कहते हैं कि टॉवर बन जाओ तब कहाँ भी होंगे तो बाबा की सिग्नल को कैच करेंगे। इसीलिए बाबा कहे कि जब बुद्धि की लाइन क्लीयर होगी तो बाबा से टचिंग पॉवर, कैचिंग पॉवर आपकी बहुत स्पष्ट हो जायेगी समय आने पर, क्योंकि जैसे-जैसे अन्तिम समय आयेगा तो इस तरह का माहौल बनेगा, ऐसी-ऐसी परिस्थितियां आयेंगी अगर मेरी बुद्धि की लाइन क्लीयर नहीं है तो हम उस परिस्थिति में फंस सकते हैं। अगर मैं टॉवर हूँ तो नीचे जंगल कितना भी हो लेकिन टॉवर ऊपर है तो ऊपर से क्या है सिग्नल सहज कैच कर सकता है। तो सिग्नल कैच किया तो बहुत क्लीयर टचिंग आयेगी कि इस हालात में मुझे क्या करना है।

कभी-कभी बाबा टचिंग देगा कि बच्चे ये रास्ते पर नहीं जाना है, ये रास्ते पर जाना है, महसूस कराया है हमें, अनुभव कराया है हमें, ऐसा लगा है कि बाबा की टचिंग प्राप्त हुई और हम नहीं तो हम उस रास्ते पर जाने वाले थे और इस रास्ते पर आये। यहाँ आये तो सेफ हो गये। इसीलिए जब टॉवर बनकर हम बैठ जाते हैं कि मैं टॉवर हूँ माना इतनी ऊंचाई की स्थिति पर हूँ तो बाबा से जो शक्ति प्राप्त होती है उससे हमारी बुद्धि रिफाइन हो जाती है और हमारी कैचिंग पॉवर और टचिंग पॉवर तिक्षण हो जाती है।

> अमृतवेले टॉवर ऑफ पीस के पास खड़े हो जाओ। ये चारों टॉवर अपने अन्दर भर के अपने आप को भरपूर कर लो।

हर बात में अन्तिम अभ्यास इतना काम आयेगा क्योंकि अन्त समय में ही हमें बाबा की टचिंग्स बहुत ज़रूरी हैं, नहीं तो फंसना आसान है। इसीलिए बाबा की टचिंग मिलेगी और हमारी कैचिंग पॉवर स्पष्ट होगी। हमारा रिसीवर क्लीयर होगा तो बाबा की हर टचिंग को कैच करना इतना आसान हो जायेगा और सरलता से हम अपने आप को उस अनुसार ढाल कर दूसरों को सेफ्टी में ले जाने के निमित्त बनेंगे, जो दूसरे भी कहेंगे कि ऐसा लगा फरिश्ते के रूप में आये और हमें इस परिस्थिति से बाहर निकाल दिया। इसीलिए बाबा से हमारी बुद्धि की लाइन इतनी क्लीयर चाहिए। तो रोज़ अमृतवेले टॉवर ऑफ पीस के पास खड़े हो जाओ। ये चारों टॉवर अपने अन्दर भर के अपने आप को भरपूर कर लो। जैसे सुबह-सुबह हमारा कनेक्शन टॉवर के साथ हो गया तो दिनभर में भी टॉवर हमारे साथ में जुड़ा रहेगा। उस टॉवर से हमारा कनेक्शन टूट नहीं सकता है। तो इसीलिए बाबा से शक्ति लेने का, सकाश लेने के ये कुछ तरीके हैं।

दिल्ली-रजौरी गार्डन। ब्रह्माकुमारीज़ के रजौरी गार्डन सबज़ोन के अशोक नगर सेवाकेंद्र पर अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित सम्मान समारोह में 25 वर्षों से अधिक समय से गृहस्थ में रहते हुए ईश्वरीय ज्ञान और योग की धारण से पवित्र जीवन बनाने वाली 12 माताओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में रशिया स्थित ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेंद्रों की निदेशिका राजयोगिनी ब्र.कु. संतोष दीदी, रजौरी गार्डन सबज़ोन प्रभारी ब्र.कु. शक्ति दीदी, देवेन्द्र मोहन लाल कत्याल, स्थानीय सेवाकेंद्र संचालिका ब्र.कु. सुषमा बहन, क्षेत्र के अनेक गणमान्य नागरिक व ब्र.कु. भाई-बहनें उपस्थित रहे।

ठाणे-शिवाजी नगर(महा.)। शिवाजी नगर परिसर में सार्वजनिक रूप से आयोजित होलिका दहन कार्यक्रम में स्थानीय ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेंद्र की संचालिका डॉ. ब्र.कु. सरला दीदी को अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया। इस मौके पर डॉ. नानजी खिमजी ठक्कर समाज रत्न एवं डॉ. ब्र.कु. सरला दीदी के हाथों से होली पूजन हुआ। तत्पश्चात् दीदी ने सभी को होली का आध्यात्मिक रहस्य बताकर मुबारकबाद दी।

सेल्फ हेल्प

कोई भी हमारे क्रोध के लिए ज़िम्मेवार नहीं

एक सिचुएशन लेते हैं जिसमें एक व्यक्ति को पाँच लोग देख रहे हैं और जिस व्यक्ति को देख रहे हैं या विटनेस कर रहे हैं वो बहुत गुस्से वाला है। अब वो पाँचों उस व्यक्ति को अच्छे से जानते हैं, अब अगर पाँचों से पूछा जाए कि इसको देखकर आपको क्या विचार उत्पन्न हो रहे हैं तो आपको क्या लगता है, वो क्या बतायेंगे? एक जैसा या अलग-अलग। शायद अलग-अलग। तो जैसे हमलोग कहते हैं कि गुस्सा मुझे आता नहीं है, कोई गुस्सा मुझे दिला देता है। अगर गुस्सा दिलाता तो उस व्यक्ति के लिए पाँचों के अंदर एक जैसे विचार होते। उसको देखकर सबको एक जैसा थॉट आता। लेकिन ये तो अलग-अलग है। इसका मतलब गुस्सा मेरे अंदर है, जो किसी सिचुएशन में रिफ्लेक्ट होकर बाहर आता है, ना कि कोई हमें दिलाता है। तो अलर्ट, सतर्क हो जाएं और चेक करें कि पहली बार मैं किस बात पर या किस-किस बात पर नाराज़ या गुस्सा होता हूँ उस बात को ढूंढ़ो। और वो कारण मात्र एक है कि अटैचमेंट है चीज़ों से। वो हमें वैसा रहने और करने के लिए मजबूर करती है। इसलिए संस्कार हमने सोच-साच कर ये वाले बना लिये हैं। सामने वाले व्यक्ति, वस्तु या परिस्थिति उसके लिए एक प्रतिबिम्ब मात्र हैं जो हमें ये बताते हैं कि आप ऐसे हैं। ये एक तरह की रियलाइज़ेशन है जो करके हमें अपने आपको इससे बचाना चाहिए।

जमशेदपुर-झारखंड। लंदन सहित विदेश के अन्य देशों में अपनी सेवाएं देने वाले ब्रह्माकुमारीज़ के 41 भाई-बहनें जिनमें लंदन के 25, फ्रांस के 6, जर्मनी के 4 तथा नार्वे व श्रीलंका के 3-3 सदस्य शामिल थे, पाँच दिवसीय भ्रमण पर जमशेदपुर पहुंचे। इस अवसर पर ब्रह्माकुमारीज़ के सोनारी मेरिन ड्राइव स्थित यूनिवर्सल पीस पैलेस रिट्रीट सेंटर में उनके स्वागत के साथ ही विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये गये। कार्यक्रम में ब्रह्माकुमारीज़ हार्मनी हाऊस,लंदन के ब्र.कु. शंकर भाई ने यात्रा का अनुभव साझा किया। मौके पर कोल्हान प्रभारी ब्र.कु. अंजू दीदी सहित अन्य ब्र.कु. भाई-बहनें उपस्थित रहे।

दिल्ली-गाज़ीपुर। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा त्रिमूर्ति शिव जयंती महोत्सव में शिव ध्वजारोहण करते हुए युवा मोर्चा अध्यक्ष पवन चौधरी, सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. सुधा दीदी तथा अन्य ब्र.कु. भाई-बहनें। इस मौके पर नगर में शिव संदेश शांति यात्रा एवं झांकी का भी आयोजन किया गया।

गुवाहाटी-रूपनगर(असम)। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में स्थानीय ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेंद्र पर आयोजित कार्यक्रम में लेडी गवर्नर श्रीमती अनीता कटारिया मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं। साथ ही इस मौके पर डॉ. कराबी ककाती,असिस्टेंट प्रोफेसर एंड ऑन्कोलॉजिस्ट,बी बरुआ कैंसर इंस्टिट्यूट, ब्र.कु. मौशमी,संचालिका,न्यू गुवाहाटी सेंटर, ब्र.कु. मुनिन्द्रा दत्ता,बरुआ,राजयोगा एक्सपर्ट सहित अन्य भाई-बहनें मौजूद रहे। समाज की कुछ अग्रणी महिलाओं को इस मौके पर सम्मानित किया गया।

रीवा-म.प्र.। मानस भवन में आयोजित श्रीमद भागवत कथा ज्ञान यज्ञ सप्ताह के पांचवे दिन राजयोगिनी तपस्विनी ब्र.कु. भारती दीदी ने 'भगवत गीता का आध्यात्मिक रहस्य' विषय पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में पूर्व विधानसभा अध्यक्ष विधायक देवतालाब गिरीश गौतम, सिरमौर विधायक युवराज दिव्यराज सिंह, मानस विदुषी श्रीमती ज्ञानवती अवस्थी, सुभाष बाबू पांडे, अधिवक्ता सती प्रभात सिंह, रब द्विवेदी, डॉ. एस.के. श्रीवास्तव, डॉ. विकास श्रीवास्तव, डीएस मिश्रा, ब्रह्माकुमारीज़ की क्षेत्रीय निदेशिका राजयोगिनी ब्र.कु. निर्मला दीदी सहित जिले के अनेक गणमान्य लोग व अन्य भाई-बहनें शामिल रहे।

टूंडला-जीवनी नगर(उ.प्र.)। शिव जयंती के पावन पर्व पर विधायक प्रेमपाल धनगर को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. शालू बहन व ब्र.कु. अश्विना बहन।

मोतिहारी-बिहार। ईश्वरीय ज्ञान में चलने वाली एवं एक ब्रह्माकुमारीज़ पाठशाला की निमित्त रहीं डॉ. ब्र.कु. अंजू वर्मा के तीसरे पुण्य स्मृति दिवस पर आयोजित कार्यक्रम 'अचानक और एवररेडी' के मौके पर प्रो. रंजना पाण्डेय को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. विभा बहन। इस मौके पर स्वतंत्रता सेनानी के पुत्र प्रो. विजय शंकर पांडे, ब्र.कु. अशोक वर्मा, ब्र.कु. अनीता बहन सहित अन्य भाई-बहनें मौजूद रहे।

झोझूकलां-हरियाणा। महान क्रांतिकारी शहीद भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव के शहीद दिवस पर ग्रामीण पुस्तकालय तिवाला में ब्रह्माकुमारीज़, किसान क्लब एवं ग्राम पंचायत के संयुक्त तत्वाधान में 'स्वैच्छिक रक्तदान शिविर' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में ब्रह्माकुमारीज़ की क्षेत्रीय संचालिका ब्र.कु. वसुधा बहन को विशिष्ट अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर आईडीबीआई बैंक के मैनेजर शेखर गुप्ता, खंड शिक्षा अधिकारी जलकरण, सरपंच अनिल कुमार, ब्र.कु. सुनील भाई सहित अन्य भाई-बहनें मौजूद रहे। शिविर में 54 युवाओं ने रक्तदान किया। सभी रक्तदाताओं को स्मृति चिन्ह एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

गोगुंदा-राज.। एसडीएम नरेश सोनी के साथ आध्यात्मिक चर्चा कर उन्हें माउण्ट आबू आने का निमंत्रण देने के पश्चात ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए वरिष्ठ राजयोगी ब्र.कु. वीरेन्दर भाई, ब्र.कु. रश्मि बहन, ब्र.कु. अनिल भाई, ब्र.कु. सुंदरलाल भाई,माउण्ट आबू तथा अन्य।

टिंडे को भी अवश्य करें अपनी डाइट में शामिल

टिंडा एक ऐसी शाकाहारी सब्जी है जो पौष्टिकता से भरपूर है। टिंडा को हजम करना आसान होता है। टिंडा ऑक्सिडेंट, फाइबर, कैराटिनॉयड, विटामिन सी, आयरन या पोटेशियम होता है, जो टिंडे को सुपरफूड बनाने में मदद करता है। टिंडे की सब्जी खाते तो सब लोग हैं, लेकिन आयुर्वेद में इसका औषधि के रूप में उपयोग किया जाता है, टिंडा के फायदे के बारे में आपको बहुत कम मालूम होगा? इसलिए आगे हम टिंडा के बारे में विस्तार से चर्चा करेंगे।

टिंडा के फायदे

आयुर्वेद के अनुसार टिंडा सब्जी स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद होती है क्योंकि ये कई बीमारियों के लिए औषधि के रूप में काम करता है। चलिये जानते हैं कि टिंडा कैसे बीमारियों से लड़ने में सहायता करता है...

कब्ज में फायदेमंद

आजकल कब्ज की परेशानी से सब परेशान रहते हैं। कब्ज होने पर टिंडे की सब्जी का सेवन करने से टिंडा के फायदे से राहत मिल सकती है। टिंडे के डण्ठल का शाक मल को नरम करने में मदद करता है।

खून को साफ करने में

खून साफ न होने पर कई तरह के त्वचा संबंधी रोग होने की संभावना होती है। टिंडे के फल के रस का सेवन करने से रक्त का शोधन तथा मुँह और गला सूख जाने के एहसास से छुटकारा मिलता है। टिंडा खून को साफ कर उससे संबंधित बीमारियों से राहत दिलाने में मदद करता है।

पथरी में लाभकारी

आजकल पैकेज्ड फूड और मसालेदार खाना खाने से पथरी होना आम बात हो गयी है। आयुर्वेद के अनुसार इस अवस्था से बाहर आने में टिंडा मदद करता है। टिंडा के ताजे कोमल फलों को कुचलकर, पीसकर रस निकाल लें। 10-15 मिली रस में 65-125 मिग्रा यवक्षार मिलाकर गुनगुना करके पिलाने से पथरी टूट-टूट कर निकल जाती है।

इसके साथ-साथ टिंडे का रस पित्तज विकारों को कम करने के अलावा मूत्र और लीवर संबंधी रोगों में लाभकारी होता है।

मूत्र संबंधी रोगों को करे दूर

अगर मूत्र संबंधी रोगों से परेशान हैं तो टिंडा के फलों का शाक बनाकर सेवन करने से पेशाब करते वक्त दर्द तथा यूरिनरी ब्लाडर या मूत्राशय के सूजन को कम करने में मदद मिलती है।

प्रदर(ल्यूकोरिया) और डायबिटीज से दिलाये राहत

टिंडे के फलों का रस निकालकर मिश्री मिलाकर पीने से प्रदर तथा प्रमेह में लाभ मिलता है।

आमवात(रूमेटाइड आर्थराइटिस) से दिलाये राहत

आम तौर पर उम्र बढ़ने पर जोड़ों में दर्द की परेशानी होती है, लेकिन आजकल कम उम्र में भी ये समस्या नज़र आती है। ऐसी अवस्था से आराम पाने के लिए टिंडे के फल को पीसकर जोड़ों पर लगाने से दर्द से राहत मिलती है।

कमज़ोरी को करे दूर

अगर लंबे अर्से तक बीमार रहने के बाद कमज़ोरी आ गई है तो पके हुए टिंडे के बीजों को निकालकर मेवे के रूप में सेवन करने से कमज़ोरी और थकान में लाभ होता है।

रोग प्रतिरक्षा क्षमता को बढ़ाये

टिंडे का सब्जी के रूप में प्रयोग करना आपके लिए फायदेमंद हो सकता है। क्योंकि इसमें विटामिन सी और फाइबर अधिक मात्रा में पाए जाते हैं जोकि प्रतिरक्षा तंत्र को बढ़ाने में मदद करता है।

हाई ब्लड प्रेशर के लिए फायदे

टिंडा का सेवन हृदय के लिए फायदेमंद होता है क्योंकि इसमें एंटीऑक्सीडेंट के गुण पाये जाते हैं जोकि हृदय की क्रियाशीलता को नियमित रखकर हाई ब्लड प्रेशर की समस्या को होने से रोकता है।

टिंडा के उपयोगी भाग

आयुर्वेद में टिंडा के फल, जड़ और बीज का सेवन औषधि के रूप में ज़्यादा होता है।

फरीदाबाद से.21डी-हरियाणा। ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेंद्र पर अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में राजयोगिनी ब्र.कु. चक्रधारी दीदी,दिल्ली एवं रशिया ज़ोन की निदेशिका, रेनू भाटिया,हरियाणा महिला आयोग चेयरपर्सन, उद्योगपति बी.आर. भाटिया,सी.दास ग्रुप के चेयरमैन, डॉ. अमृता ज्योति,श्री राम एजुकेशन सोसाइटी, गुरप्रीत कौर,मानव रचना रेडियो की डायरेक्टर, ब्र.कु. लता दीदी,दिल्ली, ब्र.कु. हरीश दीदी,संचालिका,से.19, ब्र.कु. प्रीति दीदी,स्थानीय सेवाकेंद्र संचालिका, ब्र.कु. प्रिया बहन सहित अन्य भाई-बहनें शामिल रहे।

सादुलपुर-राज.। शिव जयंती के पावन अवसर पर महंत संपत नाथ जी महाराज,ढंढाल शेरा को परमात्म अवतरण का संदेश देने के पश्चात् ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. शोभा बहन। साथ हैं ब्र.कु. पूनम बहन, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट शालिनी शर्मा, जिला कोषाधिकारी प्रवीण सिंघल, प्रताप सिंह भोजानियां, एड. बृजमोहन शर्मा, सतवीर भाई तथा अन्य।

सुंदर नगर-हि.प्र.। ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेंद्र में आयोजित होली मिलन समारोह में सेवाकेंद्र संचालिका ब्र.कु. शिखा दीदी ने होली का आध्यात्मिक रहस्य बताने के पश्चात् सभी को गुलाल लगाकर होली की मुबारकबाद दी। कार्यक्रम में शहर के गणमान्य लोगों सहित ब्र.कु. भाई-बहनें शामिल रहे।

अहमदाबाद। ब्रह्माकुमारीज़ के क्षेत्रीय कार्यालय सुख शांति भवन में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में 'नारी तू नारायणी' स्नेह मिलन कार्यक्रम में 25 सास और पुत्रवधु की जोड़ी ने हिस्सा लिया। सभी को तिलक, चुन्नी, माला, मुकुट और बैज पहनाकर सम्मानित किया गया। तत्पश्चात् मणिनगर सबज़ोन निदेशिका राजयोगिनी ब्र.कु. नेहा बहन व न्यूज़ीलैंड और फिजी की डायरेक्टर ब्र.कु. भावना बहन ने परिवार में सुख शांति व एकता बनाये रखने हेतु सभी का मार्गदर्शन किया। कार्यक्रम में ब्र.कु. नंदिनी बहन सहित अन्य ब्र.कु. भाई-बहनें मौजूद रहे।

राँची-झारखंड। महाशिवरात्रि महोत्सव में दीप प्रज्वलित करते हुए बनवारी खिरवाल,समाजसेवी, डॉ. एस.महतो,पूर्व डीन,बिरसा कृषि विश्वविद्यालय, अमरेंद्र विष्णुपुरी,समाजसेवी, ललित पोद्दार,अध्यक्ष,जिला मारवाड़ी सम्मेलन, ब्र.कु. निर्मला दीदी, राजीव कुमार,सेवानिवृत्त भा प्र सेवा अधिकारी, ऋषिकेश लाल,निदेशक,युवा नाट्य संगीत मंच, रेखा पांडेय,मुख्य प्रबंधक,सेंट्रल कोलफील्ड्स लि., रूबी रंजन,प्रबंधक,सेंट्रल कोलफील्ड्स लि. तथा शालिनी गुप्ता,केनरा बैंक।

धमतरी-छ.ग.। ब्रह्माकुमारीज़ के आत्म अनुभूति तपोवन सांकरा में महिला दिवस के उपलक्ष्य में महिला जागृति आध्यात्मिक सम्मेलन, सार गर्भित उद्बोधन नृत्य नाटिका- 'रहस्य खुदा का' एवं 'महिला सशक्तिकरण के लिए सकारात्मक परिवर्तन' विषय पर संगोष्ठी एवं विभिन्न क्षेत्रों की महिलाओं एवं छात्राओं के सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उषा गुप्ता,संचालिका लेडीज़ क्लब, डॉ. सरिता दोशी,सचिव लायंस क्लब धमतरी फ्रेंड्स, सीमा गोयल,अध्यक्ष इनरव्हील क्लब, रूपल जैन,कल्पवृक्ष सकल जैन समाज महिला ट्रस्ट, नलिनी सोनी,उपाध्यक्ष महिला समाज, ब्र.कु. सरिता बहन,क्षेत्रीय संचालिका ब्रह्माकुमारीज़, ब्र.कु. प्राजक्ता बहन, ब्र.कु. नवनीता बहन, कामिनी कौशिक आदि शामिल रहे। इस अवसर पर 250 से भी अधिक महिलाओं को सम्मानित किया गया।

गाडरवाड़ा-म.प्र.। ब्रह्माकुमारीज़ के प्रभु उपवन भवन लक्ष्मी टाउन शिप द्वारा महिला दिवस व महाशिवरात्रि के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में नरसिंहपुर सेवाकेंद्र संचालिका ब्र.कु. कुसुम दीदी, श्रीमती शिरोमणि चौधरी बीजेपी विधान सभा प्रभारी एनटीपीसी सांसद प्रतिनिधि, डॉ.पूनम बोहरे, सपना जैन गौशाला प्रमुख संचालक, आरती राजपूत एनजीओ संचालक सनातन धर्म नारी शक्ति, एम्बिशन ऐरा पब्लिक स्कूल बनवारी, लक्ष्मी काबरा सचिव महेश्वरी भक्ति मंडल, मंजू गुप्ता लीनेश क्लब की अध्यक्षा, स्थानीय सेवाकेंद्र संचालिका ब्र.कु. उर्मिला दीदी सहित अन्य भाई-बहनें शामिल रहे।

ब्र.कु. शिवानी बहन, जीवन प्रबंधन विशेषज्ञा

पहला होमवर्क... हम पहले फोन कॉल्स पर रिस्ट्रिक्ट करें...

जिसके ऊपर परमात्मा की नज़र हो उसको किसी और की नज़र कैसे लग सकती...!!!

गतांक से आगे...

पिछले अंक में आपने पढ़ा कि हम कहेंगे कि हमारे जीवन में ये हमारे लिए फरिश्ता बनकर आया। ये फरिश्ता आया कैसे? ये फरिश्ता मैंने अपनी दुआओं से कमाया था। कमाया था, ऐसे नहीं आ सकता फरिश्ता। इसलिए लोग कहते हैं किसी की दुआ लगी है। दुआ फ्री में नहीं मिलती। दुआ अपने कर्मों से कमाई जाती है। अब आगे पढ़ते हैं...

अगर कुछ ऑपोज़िट हो जाता है तो कहेंगे पता नहीं किसी की नज़र लगी है। आपको लगता है किसी की नज़र लगती है? लगती है या नहीं लगती? कल किसी फंक्शन पर गये थे, बच्चे को भी लेकर गये थे। चार लोगों ने कहा कि बड़ा प्यारा बच्चा है... बड़ा प्यारा बच्चा है। अगले दिन वो बच्चे ने थोड़ी सी छींक मार दी, ओह नज़र लग गई बच्चे को कल किसी की। हमारे लॉ वायब्रेशन एनर्जी थॉटस हैं ये। फटाफट उसके चारों तरफ मिर्ची घुमायेंगे, उसको काला तिलक लगायेंगे, ये करेंगे किसी की नज़र लग गई। वैसे अगर कोई प्यार से बोलता है कि कितना प्यारा बच्चा है वो निगेटिव नहीं सोच रहा पहली बात। अगर उस फंक्शन में 200 लोगों में 4 लोगों ने कुछ निगेटिव सोच भी लिया, निगेटिव माना ईर्ष्या से। लेकिन सौ लोगों ने अच्छा भी सोचा होगा। अगर मेरे पास 100 अच्छी थॉट्स आ रही हैं और 4 निगेटिव थॉट्स हैं तो नेट एनर्जी मेरे पास कौन-सी आ रही है? 96 तो पॉज़िटिव ही आ रही हैं। फिर पॉज़िटिव का रिज़ल्ट पॉज़िटिव होना चाहिए। लेकिन उस 100 की तरफ मेरी फ्रिक्वेंसी टयूंड है ही नहीं। मेरी फ्रिक्वेंसी टयूंड किस तरफ है? इनको मुझसे प्रॉब्लम है, लोगों को मुझसे प्रॉब्लम है, मुझे नज़र लग जाती है। मेरी तबियत खराब हो जाती है। मेरा ये हो जाता है। जैसा सोचेंगे वैसा होता जायेगा।

एक कवच रोज़ पहनकर रखना है। क्योंकि ये हमारे आस-पास बहुत सारे वायब्रेशन्स हैं। वायब्रेशन्स का ये नहीं कि लोग हमारे लिए निगेटिव सोचते हैं। वायब्रेशन्स ये कि लोग निगेटिव एनर्जी में जी रहे हैं। तो वायब्रेशन्स वाइस वातावरण बहुत ही दूषित है। तो रोज़ सुबह जैसे अपनी ड्रेस पहनते हैं तो एक संकल्प ज़रूर करना है- परमात्मा की शक्तियां और दुआयें मेरे चारों तरफ एक एनर्जी

> एक ऐसी भाषा जिसमें हमारे शब्द ऊपर की ओर शिफ्ट होने लगते हैं और जब वो शिफ्ट होते हैं ऊपर की ओर वायब्रेशन्स वाइस तो उसके अन्दर के दाग, उसके अन्दर की मैल, उसके अन्दर की मिलावट वो क्या होती जाती है? परमात्मा कहते हैं वो आत्मायें शक्ति शाली रहेंगी जो सच्चाई और सफाई के साथ चलती हैं, अन्दर-बाहर साफ।

सर्कल है। ड्रॉ करें इसको अभी। आपको मन से करना है हाथ से नहीं करना है। जैसे एक कोकून होता है ना, उसमें सेफ होते हैं हम। लोगों की थॉट सिर्फ एक थॉट है, और थॉट को बचाने के लिए सिर्फ एक थॉट चाहिए। लोहा लोहे को काटता है, सोच, सोच को काटती है। हम कहते हैं कि अरे इतना सा बनाकर हम बच जायेंगे। बेशक, क्योंकि जो आ रहे हैं वो भी वायब्रेशन्स हैं, और ये भी वायब्रेशन्स हैं। ये हाई वायब्रेशन हैं, और वो लो वायब्रेशन हैं। हाई वायब्रेशन क्रियेट करके रख दो। लोअर वायब्रेशन तो उसके अन्दर जा ही नहीं सकते। आप सबके बीच में घूम के आ जाओ किसी का दाग आपको नहीं लगेगा क्योंकि आपने चारों तरफ क्या पहन लिया? जैसे कोविड के टाइम पर वो पहनते थे ना पीपीई किट। पहनों और आईसीयू में भी जाकर आ जाओ। लेकिन वो प्रोटेक्शन शील्ड है। वो वायरस नहीं आ सकता।

हमें क्या करना है? परमात्मा की शक्तियां और दुआयें मेरे चारों तरफ सुरक्षा कवच है। इसको विज़ुअलाइज़ करना है। डिवाइन लाइट सर्कल इसको अपने चारों तरफ बनाना है। कभी भी इसको पहने बिना घर से बाहर नहीं जाना। मतलब मुझे इस व्हाइट ड्रेस को प्रोटेक्टेड रखना है। चाहे कोई नज़दीक आयेगा भी जिसका थोड़ा-सा हाथ मैला है, लेकिन वो इसपर टच नहीं कर सकेगा। सिर्फ एक सर्कल बनाने से। इतनी पॉवर है इसके अन्दर। क्योंकि जब परमात्मा की दुआओं को अपने जीवन में भरते हैं तो दूसरों की लोअर वायब्रेशन एनर्जी उसके सामने क्या करने वाली है! लेकिन उनकी लोअर वायब्रेशन एनर्जी को अपने लाइफ में लाते हम हैं। क्योंकि हम उनके वायब्रेशन्स पर चले जाते हैं। पता नहीं इनको मेरे से क्या प्रॉब्लम है। हमें उनकी वायब्रेशन्स पर जाना पड़ता है तब हमारी लाइफ में वो एनर्जी हिट होती है। तो नज़र किसी और की नहीं लगती है हमें। आपको पता है हमें किसकी नज़र लगती है? तो दुआ भी हमने कमाई होती है, और नज़र भी हमने ही कमाई होती है।

जिसके ऊपर परमात्मा की नज़र हो उसे दुनिया की नज़र कैसे लग सकती है! है पॉसिबल? लोएस्ट वायब्रेशन के पास तो कोई शक्ति ही नहीं होती इन्फ्लुएंस(प्रभाव) करने की। हम ही डिस्टर्ब होकर इधर-उधर जाते रहते हैं। फिर हम अपने घर में अलग-अलग चीज़ें टांगते रहते हैं। जैसे वो चीज़ें हमारे घर को बचायेंगी। कृपया याद रखें कि वो एक वायब्रेशन है। एक फिज़िकल चीज़ एक वायब्रेशन को नहीं रोक सकती। आपके वायब्रेशन ही वायब्रेशन को रोक सकते हैं।

लखनऊ-जानकीपुरम(उ.प्र.)। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा 60 फीट रोड जानकीपुरम विस्तार में भव्य महाशिवरात्रि मेला का आयोजन किया गया। जिसका शुभारंभ केंद्रीय मंत्री कौशल किशोर तथा क्षेत्रीय विधायक नीरज वोरा द्वारा किया गया। इस मौके पर ब्र.कु. सुमन बहन सहित अन्य भाई-बहनें शामिल रहे। मेले में 35 फीट ऊँचा शिव लिंग, अमरनाथ की गुफा और गोकुल गांव आकर्षण का केंद्र रहा। लगभग 10000 लोगों ने मेले का अवलोकन कर लाभ लिया।

रायपुर-छ.ग.। ब्रह्माकुमारीज़ के नवा रायपुर से.-20 स्थित एकेडमी फॉर ए पीसफुल वर्ल्ड-शांति शिखर में आयोजित महाशिवरात्रि महोत्सव का शुभारम्भ कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय के प्रो. बलदेव शर्मा, सी.आर.पी.एफ. के महानिरीक्षक साकेत कुमार सिंह, रायपुर सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. सविता दीदी और राजयोग शिक्षिका ब्र.कु. रश्मि दीदी ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम में गृह सचिव अरुण देव गौतम व अन्य गणमान्य लोगों सहित ब्र.कु. भाई-बहनें शामिल रहे।

जयपुर-राजापार्क(राज.)। ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के साकार संस्थापक पिता श्री ब्रह्मा बाबा के जीवन पर आधारित एनिमेटेड फिल्म 'द लाइट' को राजयोगिनी ब्र.कु. पूनम दीदी के निर्देशन में जयपुर के आइकॉनिक राज मंदिर सिनेमा हॉल में रिलीज़ किया गया तथा इसके पोस्टर का विमोचन भी किया गया। इस अवसर पर कॉमर्स इंडस्ट्री के कमिश्नर एवं रिटा. आईएएस ऑफिसर महेंद्र कुमार पारक, जनसभा निवारण मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष सूरज सोनी, दूरदर्शन जयपुर केंद्र प्रमुख एवं उप महानिदेशक सतीश देपाल, खंडेलवाल वैश्य गर्ल्स इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी की प्रिंसिपल डॉ. अंजू गुप्ता, मंगला सरिया के ओनर राजस्थान स्टील चेम्बर के अध्यक्ष सीताराम अग्रवाल, राजस्थान इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल के डायरेक्टर एवं रिफ फिल्म क्लब के मैनेजिंग ट्रस्टी सोमेंद्र हर्ष, पंजाबी महासभा एवं राजापार्क व्यापार मंडल के अध्यक्ष रवि नैय्यर, विद्याधर नगर विधानसभा के संयोजक एवं नगर निगम ग्रेटर में अध्यक्ष पद पर कार्यरत राजेंद्र करोड़िया आदि विशिष्ट लोग शामिल रहे।

आगरा-आर्ट गैलरी म्यूज़ियम(उ.प्र.)। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा बाद गांव में महाशिवरात्रि एवं अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में संत श्री रूद्र गिरी महाराज जी, आचार्य पं. राम मोहन श्रोती वृंदावन,कृष्ण रानी राधे कथा वाचक मथुरा, मिष्ठी योग साधना की संचालिका सपना कुलश्रेष्ठ, डिग्री कॉलेज से प्रोफेसर वंदना अग्रवाल, प्रिंसिपल संगीता बघेल, रियल एस्टेट 14 कंपनीज़ के मालिक हेम प्रकाश, सेवाकेंद्र संचालिका ब्र.कु. मधु बहन, ब्र.कु. माला बहन, शाहगंज सेवाकेंद्र संचालिका ब्र.कु. दर्शना बहन, पीपलमंडी सेवाकेंद्र संचालिका ब्र.कु. ममता बहन सहित अन्य भाई-बहनें शामिल रहे।

रामगंज मंडी-राज.। ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेंद्र में आयोजित होली उत्सव में सेवाकेंद्र संचालिका ब्र.कु. शीतल बहन ने होली का आध्यात्मिक रहस्य बताते हुए सभी को तिलक लगाया। इस मौके पर सुंदर झाँकी एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन हुआ।

राजनांदगांव-छ.ग.। माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा ब्र.कु. पुष्पा बहन को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर सम्मानित करते हुए महिला मंडल के सदस्यगण।

For Online Transfer

Name: OM SHANTI MEDIA OF RERF
Pay Directly to: osmorerf@indianbk

BANK NAME:- INDIAN BANK
BRANCH:- Shantivan, Talhati
ACCOUNT :- OM SHANTI MEDIA OF RERF
ACCOUNT NO:- 7552337300,
IFSC - CODE:- IDIB000S319
Note:- AfterTransfer send detail on
E-Mail - omshantimedia.acct@bkivv.org
E-Mail - omshantimedia@bkivv.org

ओमशान्ति मीडिया सदस्यता हेतु सम्पर्क करें
कार्यालय - ओमशान्ति मीडिया
संपादक - ब्र.कु. गंगाधर, ब्रह्माकुमारीज़,शान्तिवन,तलहटी, पोस्ट बॉक्स न-5,आबू रोड, राज. 307510
सम्पर्क- - 9414006096, 9414154344, 9414182088
Email-omshantimedia@bkivv.org
सदस्यता शुल्क : भारत - वार्षिक - 240 रूपये, तीन वर्ष - 720 रूपये, आजीवन - 6000 रूपये
Website: www.omshantimedia.org

परमात्म ऊर्जा

विस्तार को समाने अर्थात् सार स्वरूप बनने नहीं आता। क्वान्टिटी में चले जाते हो लेकिन अपनी क्वालिटी नहीं निकलती। अपनी स्थिति में भी संकल्पों की क्वान्टिटी है। इसलिए सर्विस की रिज़ल्ट में भी क्वान्टिटी है, क्वालिटी नहीं। सारे झाड़ रूपी विस्तार में एक बीज ही पॉवरफुल होता है ना। ऐसे ही क्वान्टिटी के बीज में एक भी क्वालिटी वाला है तो वह विस्तार में बीज रूप के समान है। क्वालिटी की सर्विस करते हो? विस्तार में जाने से व दूसरों का कल्याण करते-करते अपना कल्याण तो नहीं भूल जाते हो? जब दूसरे के प्रति जास्ती अटेन्शन देते हो तो अपने अन्दर जो टेन्शन चलता है उनको नहीं देखते हो। पहले अपने टेन्शन पर अटेन्शन दो, फिर विश्व में जो अनेक प्रकार के टेन्शन हैं, उनको खलास कर सकेंगे। पहले अपने आपको देखो। अपनी सर्विस फर्स्ट, अपनी सर्विस की तो दूसरों की सर्विस स्वतः हो जाती है। अपनी सर्विस को छोड़ दूसरों की सर्विस में लग जाने से समय और संकल्प ज़्यादा खर्च कर लेते हो। इस कारण जो जमा होना चाहिए वह नहीं कर पाते। जमा न होने के कारण वह नशा, वह खुशी नहीं रहती। अभी-अभी कमाया और अभी-अभी खाया, तो वह अल्पकाल का हो जाता है। जमा रहता है वह सदा साथ रहता है। तो अब जमा करना भी सीखो। सिर्फ इस जन्म के लिए नहीं लेकिन 21 जन्मों के लिए जमा करना है। अगर अभी-अभी कमाया और खाया जो भविष्य में क्या बनेगा? अभी-अभी कमाया और अभी बांटा नहीं। खाने बाद समाना भी चाहिए फिर बांटना चाहिए। कमाया और बांट दिया, तो अपने में शक्ति नहीं रहती। सिर्फ खुशी होती है जो मिला सो बांटा। दान करने की खुशी रहती है लेकिन उसको स्वयं में समाने की शक्ति नहीं रहती। खुशी के साथ शक्ति भी चाहिए। शक्ति न होने कारण निर्विघ्न नहीं हो सकते, विघ्नों को पार नहीं कर सकते। छोटे-छोटे विघ्न लगन को डिस्टर्ब कर देते हैं। इसलिए समाने की शक्ति धारण करनी चाहिए।

जैसे खुशी की झलक सूरत में दिखाई देती है, वैसे शक्ति की झलक भी दिखाई देनी चाहिए। सरलचित्त बहुत बनो लेकिन जितना सरलचित्त हो उतना ही सहनशील हो। सहनशीलता भी सरलता है? सरलता के साथ समाने की, सहन करने की शक्ति भी चाहिए। अगर समाने और सहन करने की शक्ति नहीं तो सरलता बहुत भोला रूप धारण कर लेती है और कहाँ-कहाँ भोलापन बहुत भारी नुकसान कर देता है। तो ऐसा सरलचित्त भी नहीं बनना है। बाप को भी भोलानाथ कहते हैं ना। लेकिन ऐसा भोला नहीं है जो सामना न कर सके। भोलानाथ के साथ-साथ ऑलमाइटी अथॉरिटी भी तो है ना। सिर्फ भोलानाथ नहीं है। यहाँ शक्ति स्वरूप भूल सिर्फ भोले बन जाते हैं तो माया का गोला लग जाता है। वर्तमान समय भोलेपन के कारण माया का गोला ज़्यादा लग रहा है। ऐसा शक्ति स्वरूप बनना है जो माया सामना करने के पहले ही नमस्कार कर ले, सामना कर न पावे। बहुत सावधान, खबरदार होशियार रहना है।

निहरी-हि.प्र.। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा महाशिवरात्रि के उपलक्ष्य में आयोजित द्वादश ज्योतिर्लिंगम शोभायात्रा एवं झाँकी को ब्रह्माकुमारीज़ सुंदर नगर सेवाकेंद्र की उप प्रभारी ब्र.कु. नवीना दीदी ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर आयोजित सार्वजनिक कार्यक्रम में ब्र.कु. नवीना बहन, सलापड सेवाकेंद्र संचालिका ब्र.कु. दया बहन, शशि भाई, स्थानीय सेवाकेंद्र संचालिका ब्र.कु. प्रेरणा बहन सहित बड़ी संख्या में अन्य भाई-बहनें उपस्थित रहे।

कथा सरिता

मेहनत करने से क्या नहीं हो सकता...!!!

एक बार की बात है, एक गरीब औरत थी जिसका नाम सरस्वती था। वह एक छोटे से गाँव में अपने पति और दो छोटे बच्चों के साथ रहती थी। उसके पति एक मजदूर थे लेकिन वह ज़्यादा पैसे नहीं कमाते थे। सरस्वती को अपने परिवार का समर्थन करने के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ती थी।

वह अमीर लोगों के घरों में नौकरानी के रूप में काम करती थी। एक दिन सरस्वती के पति को एक दुर्घटना में चोट लग गई। वह काम करने में असमर्थ थे और परिवार की आय पूरी तरह से बंद हो गई।

सरस्वती को चिंता थी कि वह अपने परिवार को कैसे खिलाएगी। सरस्वती ने अपना खुद का व्यवसाय शुरू करने का फैसला किया।

वह हमेशा खाना अच्छा बनाया करती थी इसलिए उसने घर का बना खाना बेचने का फैसला किया। उसने अपने पड़ोसियों और दोस्तों को खाना बेचना शुरू किया।

उसका खाना इतना स्वादिष्ट था कि जल्द ही गांव में लोकप्रिय हो गया। सरस्वती का व्यवसाय तेजी से बढ़ा। उसने स्थानीय बाज़ार में अपना खाना बेचना शुरू किया। उसने इवेंट्स की भी केटरिंग शुरू की। सरस्वती एक अच्छी कमाई करने में सक्षम थी और अपने परिवार का समर्थन कर सकती थी।

सीख : अगर हम कड़ी मेहनत करने और अपने सपनों को कभी नहीं छोड़ने के लिए तैयार हैं तो गरीबी को दूर करना और सफलता प्राप्त करना संभव है।

चंद्रपुर-महा.। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा प्रियदर्शनी सभागृह में राजयोगिनी कुसुम दीदी,पूर्व उपाध्यक्षा कला संस्कृति प्रभाग,संचालिका चंद्रपुर क्षेत्र,डायरेक्टर टीवी मराठी के पुण्य स्मृति दिवस पर आयोजित स्नेहांजलि कार्यक्रम में ओम शांति रिट्रीट सेंटर,गुरुग्राम की निदेशिका राजयोगिनी ब्र.कु. आशा दीदी, कला संस्कृति प्रभाग की अध्यक्षा एवं यूथ विंग की उपाध्यक्षा राजयोगिनी ब्र.कु. चंद्रिका दीदी,महादेव नगर अहमदाबाद, कला संस्कृति प्रभाग की राष्ट्रीय संयोजिका करनाल से.7 से आईं ब्र.कु. प्रेम बहन, निफा इंटरनेशनल गिनीज़ बुक रिकॉर्ड होल्डर प्रितपाल सिंह पन्नू, विंग के उपाध्यक्ष ब्र.कु. दयाल भाई, मुख्यालय संयोजक ब्र.कु. सतीश भाई, ब्र.कु. नितिन भाई,माउण्ट आबू, चंडीगढ़ से गायक जय गोपाल लुथरा, विद्या बहन,पुणे सहित देश भर से 1700 से अधिक भाई-बहनें शामिल रहे।

ग्वालियर-म.प्र.। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा हेलीपेड कॉलोनी समिति के सहयोग से श्री हनुमान मंदिर प्रांगण पार्क में आयोजित 'खुशनुमा जीवनशैली एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम' में राजयोगिनी ब्र.कु. आदर्श दीदी एवं राजयोगी ब्र.कु. प्रहलाद भाई ने सभी का मार्गदर्शन किया। कार्यक्रम में डॉ के.के. तिवारी एवं पूर्व पार्षद विनती शर्मा ने भी अपनी शुभकामनाएं दी। इसके साथ ही कार्यक्रम में बाल कलाकारों द्वारा विभिन्न सुंदर सांस्कृतिक प्रस्तुति दी गई।

कोटा-राज.। जिला कलेक्टर रविंद्र गोस्वामी को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. उर्मिला बहन।

बिजावर-म.प्र.। ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेंद्र में आयोजित आध्यात्मिक होली कार्यक्रम में छतरपुर से ब्र.कु. रमा बहन, बिजावर सब जेल प्रभारी मुकेश माझी, रिटा. मिलिट्री इंस्पेक्टर उमेश सिंह, जनपद पंचायत बाबू ओमप्रकाश गुप्ता सहित अन्य भाई-बहनें शामिल रहे।

बरही-सिविल लाइन(म.प्र.)। गवर्नमेंट कॉलेज में विद्यार्थियों के लिए कार्यक्रम के पश्चात् कॉलेज के प्रिंसिपल राजेश त्रिपाठी को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. नारायण भाई,इंदौर एवं ब्र.कु. ज्योति बहन।

बिलासपुर-छ.ग.। ब्रह्माकुमारीज़ के बहुचर्चित आध्यात्मिक एनीमेटेड मूवी 'द लाइट' के प्रथम शो का शुभारंभ रामा मैग्नेटो मॉल के पीवीआर में हुआ। इस कार्यक्रम में रेलवे के डीआईजी भवानी शंकर नाथ, सीनियर डीएमएम ओम प्रकाश, एडिशनल कलेक्टर हर्ष पाठक, विरिष्ठ पत्रकार तारिणी शुक्ला, छत्तीसगढ़ विद्युत उपभोक्ता फोरम बिलासपुर के अध्यक्ष बी.एल. वर्मा, गॉडलीवुड स्टूडियो माउंट आबू से द लाइट मूवी की कोऑर्डिनेटर ब्र.कु. कंचन बहन, टिकरापारा सेवाकेंद्र संचालिका ब्र.कु. मंजू बहन व तालापारा सेवाकेंद्र संचालिका ब्र.कु. रमा सहित व अन्य भाई-बहनें शामिल रहे।

यह एक ऐसी रूपरेखा है जो व्यक्तिगत विकास और सफलता के लिए कारगर है, जो आपके अरमान पूरे करेगी।

शुरुआत दिन की भली तो सब भला...

ये करतूत जानी-पहचानी है ना!

हम अलार्म की आवाज़ से उठते हैं। उसे बंद करते हैं। करवट लेकर सो जाते हैं। अलार्म फिर बजता है। आप सुस्ती से उठते हैं और जल्दी से तैयार हो जाते हैं। जाना-पहचाना लगता है ना! क्योंकि एक औसत व्यक्ति यही करता है। सुबह जागो और पूरे दिन को अपने ऊपर हावी हो जाने दो, यही होता है ना!

अगर टॉप फाइव परसेंट में आना है तो...

लेकिन क्या आप औसत व्यक्ति बनना चाहते हो? याद रखें कि अगर आप टॉप फाइव में आना चाहते हैं, टॉप फाइव लोगों की तरह बनना चाहते हैं तो आपको शेष 95 परसेंट लोगों की तरह व्यवहार करना बंद करना होगा। अपने दिन की शुरुआत एक लक्ष्य और ऊर्जा के साथ करने का भी तरीका है, एक पैटर्न है जो आपको अधिक हासिल करने में मदद करेगा। अधिक प्राप्ति और संतुष्टता आपके पास जमा होगी।

डिस्टिंक्शन्स नहीं, फोकस

हमारे दिमाग में सीमित मात्रा में बैंडविड्थ होती है। जब हम अपने दिन को सोशल मीडिया, आस-पास के लोगों के साथ बातचीत टीवी आदि से लाद देते हैं तो हम इस बैंडविड्थ को इस हद तक भर देते हैं कि दिन खत्म होने से पहले हम उसमें और कुछ नहीं ग्रहण कर सकते। लेकिन अगर आप सुबह ब्रह्ममुहूर्त में साढ़े तीन-चार बजे उठते हैं तो आप पायेंगे कि आप इन डिस्टिंक्शन्स के बिना ही चीज़ों पर ज़्यादा ध्यान केंद्रित कर सकेंगे।

एक प्रभावी मॉर्निंग रूटीन

अगर हम अपने जीवन को अगले स्तर पर ले जाना चाहते हैं और सफल होना चाहते हैं तो इसकी शुरुआत एक प्रभावी मॉर्निंग रुटीन से ही होगी। कहावत है कि अंत भला तो सब भला। जबकि सच्चाई यह है कि शुरुआत अच्छे से हो तो ही सब अच्छा हो सकता है। जो मॉर्निंग-पर्सन नहीं हैं वे भी ये कोशिश कर सकते हैं। इस अच्छी आदत को अपने से जोड़ें।

20/20/20 रूल का पालन

20/20/20 रूल का पालन करें। यानी तीन मूल्यवान गतिविधियों को नियमित 20-20 मिनट का समय दें। ये है कसरत- जिसका सरोकार शरीर की तंदुरुस्ती से है। मेडिटेशन- जिसका सरोकार मन की शांति से है। और सीखना- जिसका सरोकार जीवन की बेहतरी से है। आज तक जो भी सफलतम व्यक्ति रहे हैं, उनमें सीखने की प्रबल भावना थी।

सुबह के समय की शांति

सुबह के समय हमारे मस्तिष्क की कैमिस्ट्री थोड़ी अलग होती है। मस्तिष्क को प्रीफ्रंटल कॉर्टेक्स(मस्तिष्काग्र की बाह्य परत) या वह हिस्सा जो आपको बार-बार चिंता करने या चीज़ों का विश्लेषण करने पर मजबूर करता है, भोर के शांति पूर्ण घंटों में कुछ समय के लिए बंद हो जाता है। यह भी देखा गया है कि सुबह के समय की शांति डेपामाइन और सेरेटोनिन को बढ़ाती है। जिससे आपको ऊर्जावान, शक्तिशाली और शांत महसूस करने में मदद मिलती है।

सफलता के लिए मन के अलावा तीन और चीज़ें हैं

सफलता के बारे में एक और मूल्यवान सबक ग्रहण योग्य है कि केवल मानसिकता पर ही ध्यान केंद्रित न करें। ये सच है कि आशावादी विचार मदद करते हैं लेकिन संतुलन खोजने की कोशिश करें और जानें कि आपके पास तीन और आंतरिक साम्राज्य हैं। आपके पास मन के अलावा स्वास्थ्य, दिल और आत्मा भी है।

नवी मुम्बई-घणसोली। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में श्री मूकाम्बिका मंदिर के कार्यक्रम में महिलाओं का मार्गदर्शन करने के पश्चात् समूह चित्र में ब्र.कु. शीला दीदी, उषा पाटील कॉर्पोरेटर, रूपा शेट्टी प्रिंसिपल, सरोजिनी पुजारी ट्रस्टी, जयन्ती शेट्टी ट्रस्टी, दीपिका शेट्टी ट्रस्टी, शकुंतला शेट्टी ट्रस्टी, राधा पुजारी ट्रस्टी, नयना मादिवाल ट्रस्टी तथा अन्य गणमान्य महिलायें।

जबलपुर-नेपियर टाउन(म.प्र.)। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर 'नारी सशक्तिकरण' कार्यक्रम में समाज की आधारशिला माताओं का सम्मान करने के पश्चात् समूह चित्र में उनके साथ ब्र.कु. भावना दीदी।

इगलास-उ.प्र.। बसन्त पंचमी मेले में आयोजित शिव दर्शन आध्यात्मिक प्रदर्शनी का शुभारंभ करने के पश्चात् एस.डी.एम. महिमा सिंह को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. हेमलता बहन। इस मौके पर ब्र.कु. शान्ता बहन, ब्र.कु. विपिन बहन, ब्र.कु. पूजा बहन, ब्र.कु. उमा बहन तथा अन्य भाई-बहनें मौजूद रहे।

बहादुरगढ़-हरियाणा। नवनिर्वाचित एसडीएम श्रीमती श्वेता सुहाग का स्वागत कर परमात्म परिचय देने के पश्चात् उन्हें ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. विनीता दीदी, ब्र.कु. रेणु बहन व ब्र.कु. ममता बहन।

स्नेह और खुशी बांटने से बढ़ती है - डॉ. सचिन परब

'खुशियों का पासवर्ड' कार्यक्रम में पहुंचे गणमान्य नागरिक

बैतूल-म.प्र.। क्षमा करना और क्षमा मांग लेना मन को शांति और खुशी प्रदान करता है। हम कई पुरानी बातों को अपने मन में गांठ बना कर रखते हैं और यही गांठें बाद में हमारे दु:ख का कारण बनती हैं। इससे अच्छा है सामने वाले को क्षमा कर दें और बातों को भूल जाएं। साथ ही यह भी आवश्यक है कि अगर हमने कोई गलती की हो तो उसके लिए सामने वाले व्यक्ति से क्षमा मांग लें। ऐसा करने से हमारा मन हल्का होता है और खुशियों का दरवाज़ा खुल जाता है। आज सांसारिक जीवन में कई ऐसी परिस्थितियां निर्मित होती हैं जो हमारे वश में नहीं होती हैं। इसके लिए हमें धैर्य रखकर मन को नकारात्मकता से बचाना होगा ताकि हमारा आत्मबल बना रहे। यह बातें मुम्बई से आये कॉर्पोरेट ट्रेनर और लाइफ कोच डॉ. सचिन परब ने ब्रह्माकुमारीज़ के भाग्य विधाता भवन में आयोजित दो दिवसीय सेमिनार 'खुशियों का पासवर्ड' में बताई। साथ ही उन्होंने सभी को राजयोग मेडिटेशन की प्रैक्टिस कराते हुए बताया कि राजयोग हमारे पारिवारिक, सामाजिक तथा व्यावसायिक जीवन के लिए कितना आवश्यक है। जिसके लिए उन्होंने सभी से रोज़ एक घंटा ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेंद्र में जाकर राजयोग सीखने का आग्रह किया। सेवाकेंद्र संचालिका ब्र.कु. मंजू दीदी ने डॉ. सचिन परब का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस सेमिनार में लोगों को बहुत सी नई बातें सीखने को मिली जिसके द्वारा उनको अपने जीवन में आने वाली परिस्थितियों, व्यक्तियों के साथ किस तरह रेस्पॉन्ड करना है यह विधि जानने का अवसर मिला।

छतरपुर-किशोर सागर(म.प्र.)। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा ग्राम गढ़ीमलहरा के सुख सागर तालाब के पार्क में आयोजित जल दिवस के कार्यक्रम एवं होली मिलन समारोह के दौरान सभी को होली पर जल की बर्बादी न कर उसे संरक्षित करने का संदेश देते हुए ब्र.कु. कल्पना बहन। कार्यक्रम में गढ़ीमलहरा एवं ग्राम गौर की मातृशक्तियों एवं बच्चों ने भाग लिया।

हम सभी को तलाश सम्पूर्णता की

ब्र.कु. अनुज भाई,दिल्ली

बिना किसी पृष्ठभूमि के कोई चित्र नहीं बनता। इसलिए इंग्लिश में कहते हैं, देयर इज़ नो पिक्चर विदाउट ए बैकग्राउण्ड। अर्थात् कुछ भी इस दुनिया में इज़ाद हुआ है तो पहले उसकी कोई न कोई पृष्ठभूमि ज़रूर रही होगी। इसीलिए आज रिश्तों से लेकर प्रोफेशनलिज़्म तक जहाँ कहीं भी हमें सब में कमी नज़र आ रही है तो उसकी पृष्ठभूमि में सम्पूर्णता है। सम्पूर्णता का अर्थ है कि हर व्यक्ति हर किसी को कम्प्लीट चाहता है माना मनोविज्ञान के अनुसार जो कमियां उसको खुद में नज़र आती हैं वो उन्हें दूसरों में देखकर उससे जुड़ना चाहता है और जब वो दूसरे से नहीं मिलती तो वो तीसरे से जुड़ना चाहता है। इसका अर्थ ये हुआ कि हम सभी ने कभी न कभी इस सम्पूर्णता का अनुभव किया है। और ये सम्पूर्णता हम सबकी आत्मा के मूल गुणों के साथ जुड़ी हुई है।

आज समाज में इतने सारे तलाक के या दाम्पत्य सम्बंधों में इतने सारे मनमुटाव के जो अनुभव हैं लोगों के, आप उनसे मिलकर बात करके देखें कि सभी एक-दूसरे के अंदर क्या ढूंढ रहे हैं कि हर किसी के अंदर विश्वास हो, एक-दूसरे के प्रति सम्मान हो, एक-दूसरे की भावनाओं को समझें आदि-आदि। हम सभी ने ये भी देखा होगा कि जैसे तीन लोग आपस में बात कर रहे हों और अपने-अपने सम्बंधियों की बात कर रहे हों, उन सम्बंधियों की विशेषताओं के बारे में बात कर रहे हों तो आप पायेंगे कि एक सम्बंधी के घरवालों की जो विशेषता है अगर वो आपके घर में रहने वाले लोगों की विशेषता के साथ मैच नहीं कर रही है तो आपके अंदर क्या विचार आता है कि काश मेरा बेटा, बेटी या परिवार ऐसा होता! ऐसा क्यों हो रहा है? क्योंकि हम उस सम्पूर्ण जीवन की जो कलायें हैं, विशेषताएं हैं, गुण हैं उन सबको अप्रत्यक्ष रूप से देखते हैं और सोचते भी हैं और समझने की कोशिश भी कर रहे हैं कि कहां ऐसा मानव मिलेगा जिसमें सबकुछ हो। इसलिए रिश्ता आज एक से जुड़ा है, कल दूसरे और परसो तीसरे से जुड़ जाता है।

मनोवैज्ञानिकता कहती है कि जो हम होते हैं, उसी की तलाश हम करते हैं। जैसे किसी के अंदर अगर कमी हमें नज़र आ रही है तो बुरा मैं हूँ, ना कि सामने वाला। अगर ईर्ष्या, द्वेष, नफरत के भाव किसी को देखकर हमारे अंदर आते हैं तो इसका मतलब वो व्यक्ति हमारे लिए एक रिफ्लेक्शन है बस। तो हमें अब परिवर्तन क्या करना है? जो हम दूसरों में देखना चाहते हैं। इसका मतलब हम भी कभी ऐसे बने होंगे, सम्पूर्ण। इसीलिए जब किसी देवी-देवता को हम देखते हैं तो हमारी आँखें और हमारी बुद्धि वहां ठहर जाती है कि यही है, कम्प्लीट है, सम्पूर्ण है। तो कभी न कभी हम कम्प्लीट बने होंगे। हम वरन करना चाहते हैं लक्ष्मी का लेकिन एक भी गुण हमारे अंदर नारायण के नहीं हों तो कैसे सामंजस्य होगा! इसलिए अगर हम अपने आप को दिव्य गुणों से, शांति से, प्रेम से, पवित्रता से, आनंद से, ज्ञान से सजायेंगे, संवारेंगे तो हमारे अंदर सम्पूर्णता आती चली जाएगी। और इस सम्पूर्णता के आने से हम सभी को उसी भाव से, उसी नज़रिये से, उसी अंदाज़ से देखेंगे, परखेंगे और समझेंगे तो किसी के अंदर हमें कोई कमी नज़र नहीं आयेगी। कमी नज़र इसलिए आ रही है कि हम अभी हर पल, हर क्षण कमियों के साथ ही जी रहे हैं। तो सम्पूर्णता की तलाश हम सबका पहला और अंतिम पड़ाव है। तो चलो इस पड़ाव को प्रभाव में लेकर आते हैं। और जीवन को नई ऊँचाइयों पर ले जाते हैं।

जो आपके जीवन को बदल दे

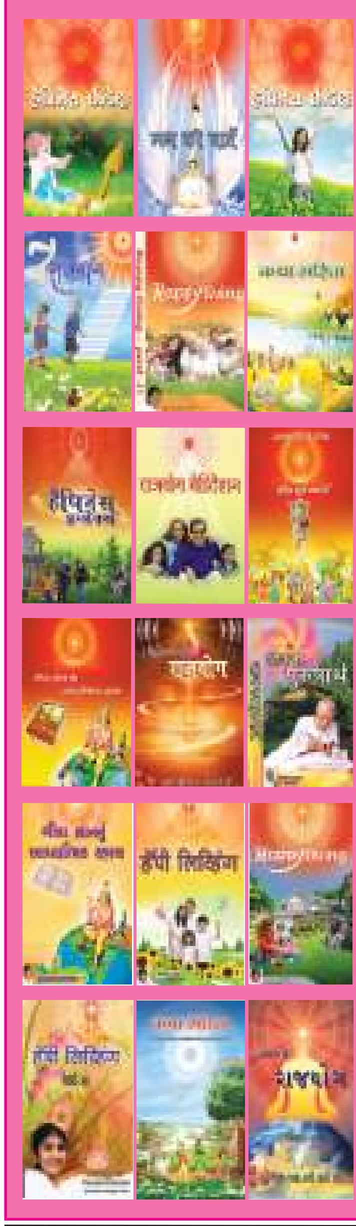

मन की बातें

- राजयोगी ब्र.कु. सूरज भाई

प्रश्न : मैं वंदना, यूपी से हूँ। मेरी ये समस्या है कि मेरी एक खास फ्रेंड की फैमिली मेरी पास्ट में की गई कुछ भारी गलतियों के कारण मुझसे बात नहीं करने देते मेरी उस फ्रेंड के साथ। मुझे करेक्टरलेस मानते हैं। मेरा उससे लगाव है। अब मैं क्या करूँ, मैं बहुत ज़्यादा दुःखी हूँ और डिप्रेशन में हूँ। मैं कैसे उनकी फैमिली की सोच को बदलूं?

उत्तर : मनुष्य से जब ऐसी गलती हो जाती है और उनके परिवार वालों को पता चल गया तो डेफिनेटली उनका दृष्टिकोण बदल ही जाता है। और वो ये चाहेंगे कि हमारे बच्चे अब उनके संग में न जायें। पर अभी आपकी भावनायें बदल गई हैं, आपका कैरेक्टर मान लो कैसा भी रहा हो, अब आपने अपने कैरेक्टर को सुधार लिया है। और आप चाहती हैं कि अब फिर से हमारा उस परिवार से अच्छा सम्बन्ध हो जाये। अगर आपने अपने आपको सुधार लिया है या फिर कोई थोड़ी कमी रह गई है तो आप अपने को ऐसा करें कि आपका इफेक्ट दूसरों पर न पड़े। जैसे एक अगरबत्ती की सुगंध एक घर की दुर्गन्ध को नष्ट कर देती है, दुर्गन्ध चाहे कितनी भी भयानक हो लेकिन सुगंध उसकी सबसे अच्छी दवाई है। वायब्रेशन्स बहुत अच्छे हो जाते हैं। किसी के बुरे वायब्रेशन्स भी बदल जाते हैं। ये बात सभी के लिए बहुत उपयोगी होगी।

कई बार ऐसा होता है एक व्यक्ति के बारे में 50 लोग गलत बातें कर रहे हैं, अब जब ये सुनता है कि 50 लोग मेरे बारे में गलत बोल रहे हैं, तो कई बार ऐसा होता भी नहीं है छोटी-सी बात होती है और एक एज हमारी ऐसी होती है छोटी सी गलती हो जाती है तो एक धब्बा, एक छाप, एक बुरी पहचान हमारी बन जाती है। ये वैसे ही हो जाता है। कपड़ा सफेद और उस पर थोड़ा-सा दाग वो चमकता तो है ही। इसलिए विशेषकर कन्याओं का जीवन जोकि पवित्र होना चाहिए, आज है नहीं वो अलग बात है। तो इसीलिए वो ऐसी बातों से अपने बच्चों को दूर रखना चाहते हैं। तो मैं बात बता रहा था कि जब 50 लोग बातें बना रहे हों तो मनुष्य ये सब सुनकर परेशान हो जाता है। और मतलब उसके ऊपर एक ऐसा दबाव, एक ऐसी निराशा और निगेटिविटी उसके ब्रेन में समा जाती है, वो सोच नहीं पाता कि इसका मैं क्या करूँ। इसलिए आपको चाहिए कि बहुत अच्छे वायब्रेशन्स आप क्रियेट करें। राजयोग अगर आपने नहीं सीखा है तो आप सीख लें। थोड़ा राजयोग का रोज़ अभ्यास करें और स्वमान की प्रैक्टिस करें। देखिए एक व्यक्ति कितना भी बुरा हो लेकिन जब वो अच्छा बन जाता है जैसे उसकी बुराई का प्रचार हो जाता है, उसकी अच्छाई का भी प्रचार हो जाता है। जैसे हमारी मनोस्थिति बदलेगी, लोगों के विचार भी बदलेंगे। दूसरा आपको एक और अच्छा अभ्यास करना चाहिए, सवेरे हम जो अपने दर्शकों को जो बार-बार सीखा रहे हैं, ये बहुत सुन्दर टैक्निक है। हमारे पास रिज़ल्ट आते रहते हैं कि इससे कैसे शत्रु भी मित्र बन जाते हैं। आप रोज़ सवेरे उठकर 10 मिनट मेडिटेशन करने के बाद ये अभ्यास करेंगी, सात बार मैं मास्टर सर्वशक्तिवान हूँ। और उस परिवार की सभी आत्माओं को सामने देखते हुए उनसे माइंड टू माइंड बात करें। जैसे, मैं वैसी नहीं हूँ जैसा समझ रहे हैं। अब मेरा जीवन बदल गया है। ठीक है मेरे से कोई गलती हुई थी मैंने उसे स्वीकार करके अपने को चेंज कर लिया है। अपने विचारों को फिर से प्युरिफाय कर लिया है। अब मैं श्रेष्ठ पथ पर आ गई हूँ। अब आप भी मेरे प्रति विचार बदल लो। आप तो बहुत बुद्धिमान हो, समझदार हो। मैं इसकी फ्रेंड थी और हूँ। आप डरो नहीं कि मेरे संग में आकर ये कुछ बुरा सीखेगी। हम दोनों गुड फ्रेंड बनेंगे और हम दोनों अपने जीवन को प्युरिफाय करेंगे। हम अच्छाइयों के मार्ग पर चलेंगे, हम महान बनेंगे। ऐसे विचार आप रोज़ सवेरे एक टाइम फिक्स करके जैसे पाँच बजे उस परिवार को देंगी माइंड टू माइंड तो उनके एटीटयूड्स भी धीरे-धीरे बदलते जायेंगे। जो मनुष्य अपनी गलती को स्वीकार कर ले, ये एक मनुष्य के निर्मल दिल की पहचान है। बहुत लोग अपनी गलतियों को स्वीकार नहीं करते और छिपाते भी हैं ये उनके अहम की पहचान है। अगर किसी ने बहुत बड़ी गलती कर ली हो और वो उसे एक्सेप्ट करके उसे चेंज कर लेता हो तो भगवान भी उसपर राज़ी होता है। और उसकी ओर से भी उन्हें स्पेशल शक्तियां मिलती हैं। आपके साथ हम सबकी दुआएं हैं, आपकी जो इच्छा है वो बहुत जल्दी पूरी हो जायेगी।

प्रश्न : मैं विक्रोली मुम्बई से हूँ। मैं शराब का बहुत ज़्यादा आदी हूँ। एयरपोर्ट में सुपरवाइज़र हूँ। मैं 6 बार हॉस्पिटलाइज़ भी हो चुका हूँ। छोड़ देता हूँ बार-बार लेकिन फिर से तलब होती है तो मैं फिर से शुरू कर देता हूँ। सेवाकेन्द्र पर मुझे बहनजी बुलाती हैं लेकिन मैं सोचता हूँ कि मैं क्या मुंह लेकर वहाँ जाऊं, बाबा को क्या मुंह दिखाऊं! लेकिन पीएम टीवी रेग्युलर देखता हूँ। क्या ये मेरी शराब की लत छूट सकती है?

उत्तर : आप ये जानते ही हैं कि शराब पीना ठीक नहीं है। इससे क्या-क्या नुकसान होता है, ये आपको पता ही है। किसी का लीवर खराब हो जाता है, किसी की किडनी खराब हो जाती है। और ब्रेन तो खराब होता ही है। बहन जी अगर बुलाती हैं तो आपको जाना ही चाहिए इसमें लज्जा की क्या बात है। अपनी बात बता देनी चाहिए कि मेरी पीने की आदत छूट नहीं रही है, आप छुड़ाओ। डॉक्टर के पास भी तो जाना ही पड़ता है ना। एक तो हमारे यहाँ होम्योपैथिक मेडिसिन है, अगर विक्रोली में न हो तो आबू से आपको मंगा लेनी चाहिए। उसके खाने से शराब पीने की जो तलब लगती है वो समाप्त हो जाती है। इसके साथ-साथ कुछ बातें रोज़ याद करेंगे उठते ही, जब आप उठेंगे, आपने रात को शराब पी भी होगी लेकिन सुबह आपका नशा उतर चुका होगा। तो उठते ही आपको एक गिल्टी फीलिंग होती होगी। क्योंकि आपने ज्ञान लिया है। ये तो मुझसे फिर से हो गया। मुझसे तो छूटती ही नहीं है। ये सब संकल्प न करके आपको उठते ही संकल्प करना है कि मैं तो देवकुल की महान आत्मा हूँ। सात बार करेंगे। मैं तो देवकुल ही पवित्र आत्मा हूँ। मेरे अन्दर तो देवत्व है। सात बार ये संकल्प करेंगे। दूसरा सात बार संकल्प करेंगे मैं आत्मा परम पवित्र हूँ। तीसरा संकल्प करना है मेरा पिता पवित्रता का सागर है। ये तीन बातें याद करने से आपको बहुत बल मिलेगा। जैसे ही आप याद करेंगे मैं तो देवकुल की महान आत्मा हूँ तो देवकुल के संस्कार आपके अन्दर इमर्ज होंगे। और उससे ये तलब जो लगती है वो धीरे-धीरे शांत हो जायेगी। अगर आपको ईश्वरीय नशा चाहिए तो आपको ये नशा तो त्याग करना ही पड़ेगा। लेकिन आपकी त्याग करने की इच्छा है ये बहुत अच्छी बात है। और जहाँ ये इच्छा प्रबल होती है वहाँ स्पिरिचुअलिटी मनुष्य को तुरंत फायदा करती है।

Contact e-mail - bksurya8@yahoo.com

मन की खुशी और सच्ची शांति के लिए देखें आपका अपना 'पीस ऑफ माइंड' और 'अवेकनिंग' चैनल

सर्व रिश्ते-नातों का सुख एक परमात्मा के साथ

भक्ति करते हुए हम सब भी और आजकल जो भक्ति कर रहे हैं वो भी ये चाहते रहे कि भगवान से हमारा गहरा सम्बन्ध जुड़ जाये। गायन करते रहे तुम्ही हो माता पिता तुम्ही हो, तुम्ही हो बन्धु सखा,तुम्ही हो। संस्कृत में भी आ गया श्लोक। त्वमेव माताश्च पिता त्वमेव... तो हम सर्व सम्बन्ध भगवान से जोड़ने के इच्छुक तो रहे पर उसका मार्ग नहीं पता था। जब वो स्वयं इस धरा पर आये तो उन्होंने सहज मार्ग दिखा दिया। छोटी-सी अनुभव की कहानियों की बात आपके सामने है- श्रीकृष्ण के लिए लोग बहुत कुछ बोलते हैं, जो उसके बारे में बहुत गुह्य रहस्य को नहीं जानते। श्रीकृष्ण गोपियों के साथ रास लीला करता है, मक्खन चोरी करता है, उनकी मटकियां तोड़ता है। हालांकि इनके अलौकिक रहस्य हैं। लेकिन ये सब था कि भगवान अपने भक्तों को प्यार की अनुभूति करा रहा था। उन्होंने मांगा था पूर्व जन्म में कि जब आप इस धरा पर आओ तो हमें प्यार ही प्यार चाहिए। तो उसकी कुछ समय अनुभूति करा दी।

हम सब भी भगवान से कहते थे ना आप इस धरा पर आओ तो हम आपसे सर्व नाते जोड़ेंगे। हम केवल आपकी ही बात सुनेंगे, आपकी ही मत पर चलेंगे, आपको ही अपनी बुद्धि और दिल में बसायेंगे। अभी वो आ गये, उन्होंने विधि बता दी है। देखिये परमपिता तो वो हम सबके हैं। अब वे आये हैं विशेष रूप से परम शिक्षक बनकर। जिसकी कल्पना किसी को नहीं थी कि भगवान आयेगा और पढ़ायेगा। हम सबने उनसे ही पढ़ा है। परम शिक्षक सुप्रीम टीचर जिससे बड़ा टीचर कोई नहीं। जिसके पढ़ाने की विधि अलौकिक, जो हमारे सोये हुए देवत्व को जगा देता है। और तीसरा सम्बन्ध है परम सद्गुरू का। हमें राह दिखाई उन्होंने इस रूप से, राजयोग सिखाया, महामंत्र दिया। मुक्ति और जीवनमुक्ति का वरदान दे दिया। वहाँ जाने की सहज विधि बता दी। मात पिता, माँ का सम्बन्ध। उसने हमें ब्रह्मा के द्वारा एडॉप्ट कर लिया। अपना बच्चा बना लिया और माँ के रूप में बहुत प्यार दिया। वो हमारा बच्चा भी बनते हैं। कहते, मैं तुम्हारा बालक भी हूँ, तुम मुझे अपना वारिस बनाओ तो मैं तुम्हें सबकुछ दूंगा, मैं अपना तुम पर सबकुछ बलिहार कर दूंगा। वो हमारे सखा और बंधु बनते हैं। आओ मेरे साथ खेलो, मेरे से बात करो। मैं तुम्हारा खुदा दोस्त हूँ। अच्छे अनुभव हैं इसके। वो हमारा प्रियतम भी बनते हैं। प्रियतम का सम्बन्ध कोई स्त्री से ही नहीं है। आत्माओं का प्रियतम। परम आत्मा। और वो कहते हैं, तुम मुझे अपना प्रियतम बनाओ, साजन बनाओ मैं तुम्हारा श्रृंगार करूंगा। तुम्हें मोस्ट ब्यूटीफुल बना दूंगा। तुम्हारी पर्सनैलिटी को बहुत पवित्रता से भरपूर, शक्तियों से, गुणों से भरपूर कर दूंगा और तुम्हें अपने साथ ले चलूंगा।

सर्व सम्बन्ध वे हमसे जोड़ रहे हैं। और भी जो सम्बन्ध हैं दुनिया में वो कहते हैं सारे मेरे से जोड़ो तो तुम्हारी बुद्धि का भटकना भी समाप्त हो जायेगा। और मेरे से तुम्हें भिन्न-भिन्न अनुभूतियां भी होंगी। अब हो क्या रहा है कि इस संसार में, बहुत सारे मनुष्य, बहुत सारे क्या लगभग अनेक सम्बन्धों के झंझटों में उलझे हुए हैं। माँ-बाप ने बच्चे पैदा कर दिए अब उनकी सम्भाल। फिर उनको पढ़ाना, उनकी बीमारियों का ख्याल करना, इलाज कराना, उनकी शादियां, कराना, फिर उनके हिस्से बंटवाना। फिर कोई लड़ाई झगड़ा कर रहे हैं, किसी को ज़्यादा मिल रहा है, किसी को कम मिल रहा है। किसी की शादियों में कठिनाई हो रही है। तो मनुष्य नातों में उलझ जाता है। मातायें दूसरों को सुनाती हैं आप बीती। हल्की हो जाती हैं सुना-सुनाकर। पर क्या करे वो हम जानते हैं, कहती हैं कि हम क्या करें जब मन भारी हो जाता है तो अपनी सखियों को सुनाकर हल्की हो जाती हैं। लेकिन कहीं-कहीं सखियां सुनकर भारी हो जाती हैं। इस बेचारी के साथ क्या हो रहा है। तो ये सम्बन्ध आजकल बहुत बड़े बन्धन बन चुके हैं। क्योंकि धन का स्वार्थ, धन का लोभ, उसका अहम, उसके मनोविकार, अनके समस्यायें गृहस्थ में पैदा कर रहे हैं। पहले जैसा गृहस्थ अब नहीं रहा। इतने सालों में खेल ही बिगड़ गया है संसार का।

अब जो ये मन भटक गया है नातों-रिश्तों में, इस मन को एकाग्र करना है। लौकिक सम्बन्धों का हाल सबने अनुभव कर लिया। जो अपने थे उनसे कितना कष्ट मिला। जिन पर सब जी जान और सबकुछ उड़ेल दिया, जिनको अपना समझा था वो पराये हो जाते हैं। कई तो अकेले हो जाते हैं अंत तक। कोई पूछने वाला नहीं रहता। सबकी बात नहीं है कुछ लोगों की ये समस्या हमारे देश में बढ़ती जा रही है।

तो हमें भगवान से अपने सब नाते जोड़ने हैं और उनसे सभी सम्बन्धों का रस सुख प्राप्त करना है। उनसे यदि हमारे सब सम्बन्ध होंगे तो यहाँ के सांसारिक सम्बन्ध भी सुखदाई हो जायेंगे। ये जो बैलेन्स है, ये जो रहस्य है इसको समझ लें थोड़ा। परमपिता भगवान मेरा पिता है, इसी स्मृति में, खुमारी में रहने लगें, नशे में रहने लगें। जिसको संसार भगवान कहता है वो अब मेरा है। इसलिए हमारे यहाँ एक ही शब्द प्रचलित करा दिया शिव बाबा ने- दिल से कहो मेरा बाबा, नाता जुड़ गया। हम उसके परिवार बन गये हैं। गाने के लिए नहीं है, वो गॉड फादर है। गॉडली फैमिली में आ गये। हमारे परिवार का हेड स्वयं भगवान हो गया। कितना सहज परिवार हो जायेगा, कितना सहज जीवन हो जायेगा इस नशे में, इस खुमारी में यदि हम रहेंगे तो।

हमें एक-दो के बहुत समीप आ जाना है। बिल्कुल इस स्मृति को बढ़ाते चलना है। मैं उसका हूँ/उसकी हूँ करके देखना सुख मिलेगा। इससे पिता की अनुभूति, पिता की पालना का सुख, बहुत सुन्दर प्राप्त होगा। और हमें श्रेष्ठ कमाई का उसने मार्ग दिखा दिया है। हम कितने खुशनसीब हैं। वो हमारे लिए स्वर्ग की राजाई लेकर आया है। बाबा कहते कि हथेली पर तुम्हारे लिए स्वर्ग लेकर आया हूँ। इस खुमारी, इस नशे में रहेंगे जीवन सुखों का भंडार बन जायेगा।

मण्डला-म.प्र.। जिले के भाजपा कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में माननीय मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बी.डी. शर्मा, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी कैबिनेट मंत्री संपतिया उइके, मण्डला लोकसभा प्रत्याशी फग्गन सिंह कुलस्ते आदि गणमान्य लोगों से मुलाकात कर ब्रह्माकुमारीज़ की मण्डला क्षेत्रीय संचालिका राजयोगिनी ब्र.कु. ममता दीदी एवं पड़ाव वार्ड सेवाकेंद्र संचालिका ब्र.कु. ओमलता दीदी ने उन्हें होली की शुभकामनाएं देते हुए टीका लगाया तथा ईश्वरीय सौगात भेंट कर मुख्यालय माउण्ट आबू आने का निमंत्रण दिया।

धमतरी-छ.ग.। लोक सभा सांसद प्रत्याशी,पूर्व गृह राज्यमंत्री ताम्रध्वज साहू ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेंद्र पर राजयोगिनी ब्र.कु. सरिता दीदी से आशीर्वाद लेने पहुंचे। उनके साथ विधायक ओंकार साहू, महापौर विजय देवांगन, प्रखर समाचार पत्र सम्पादक दीपक लखोटिया, विपिन साहू दुग्ध संघ अध्यक्ष, लेख राम साहू पूर्व विधायक, आनंद पंवार कांग्रेस नेता, एकता टीवी चैनल से छाबड़ा जी, महेश साहू, बाकडे जी, कामिनी कौशिक आदि उपस्थित रहे।

जालंधर-52,ग्रीन पार्क(पंजाब)। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा 88वीं त्रिमूर्ति शिव जयंती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में शिव ध्वजारोहण करते हुए हरप्रीत सिंह,चेयरमैन ऑफ सी.टी. ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूशन,जालंधर, श्रीमती परमिंदर कौर,को-चेयरमैन ऑफ सी.टी. ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूशन,जालंधर, अमरजीत सिंह अमरी,बीजेपी लीडर,जालंधर, सेवाकेंद्र संचालिका ब्र.कु. रेखा बहन तथा अन्य। कार्यक्रम में 400 से अधिक भाई-बहनें शामिल रहे।

विदिशा-म.प्र.। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा गुलाबगंज में आयोजित 'अलौकिक होली स्नेह-मिलन समारोह' को सम्बोधित करते हुए भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता राकेश कटारे। साथ हैं ब्र.कु. रेखा बहन, ब्र.कु. रुक्मणि बहन, अरुण खैरा तथा अन्य।

कैमोर-कटनी(म.प्र.)। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा साइंस कॉलेज कैमोर में विद्यार्थियों के लिए आयोजित 'मेमोरी पॉवर' कार्यक्रम के पश्चात् कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. महेश सोनी को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. नारायण भाई। इस मौके पर ब्र.कु. ज्योति बहन व ब्र.कु. दीपा बहन उपस्थित रहे।

मॉस्को-रशिया। इरकुत्स्क क्षेत्रीय कला संग्रहालय द्वारा 'आर्ट ऑफ लिविंग' नामक प्रोजेक्ट दो स्तरों में चलाया गया। जिसमें पहले स्तर में आध्यात्मिक विषयों पर साप्ताहिक भाषण एवं सेमिनार किया गया। हर महीने ब्रह्माकुमारीज़ राजयोगा सेंटर द्वारा दो घंटे का कार्यक्रम रखा गया जिसमें सकारात्मक सोच, स्वयं की शक्तियां, विचार शक्ति एवं आत्मा-परमात्मा के बारे में बताया गया। दूसरे स्तर में प्रथम स्तर के परिणामस्वरूप चुने गए प्रतिभागियों को उनके स्वप्न पूर्ण करने के लिए प्रोत्साहित किया गया एवं मदद की गई। कार्यक्रम के दौरान समूह चित्र में बायें से इरिना ग्रेबनेवा,आर्किटेक्टर,आर्टिस्ट, ल्युदमिला खोरोशुतिना,इन-चार्ज ऑफ ब्रह्माकुमारीज़ राजयोगा सेंटर,इरकुत्स्क, तात्याना इवानोवा,डिज़ाइनर,ओनर ऑफ फैशन स्टूडियो, तात्याना,प्रोमोटर ऑफ ऑनलाइन नीडलवर्क प्रोजेक्ट्स, नतालिया कुज़नेत्सोवा,इकोनॉमिस्ट,बैंक एम्प्लॉयर,प्रोमोटर ऑफ वैल्यूज़ प्रोजेक्ट्स फॉर चिल्ड्रेन एंड वेजिटेरियन प्रोजेक्ट्स, मार्गरिटा मार्त्सिनेचको,हेड ऑफ द डिपार्टमेंट ऑफ द इनफॉर्मेशन एंड एजुकेशनल सेंटर 'रशियन म्यूज़ियम' ऑफ द इरकुत्स्क रिजनल आर्ट म्यूज़ियम,मेम्बर ऑफ द यूनियन ऑफ आर्टिस्ट्स ऑफ रशिया एंड द इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ फाइन आर्ट्स यूनेस्को,लॉरिएट ऑफ द इरकुत्स्क रीजन गवर्नर्स अवॉर्ड।

जालंधर-पंजाब। सुप्रसिद्ध कथावाचक जयाकिशोरी जी के शहर में आगमन पर उनके साथ ईश्वरीय ज्ञान चर्चा के पश्चात् उन्हें ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. संधीर बहन व ब्र.कु. विजय बहन। साथ हैं ब्र.कु. डॉ. रतन लाल एवं ब्र.कु. कृष्ण मिगलानी।

मुरादाबाद-उ.प्र.। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में ब्रह्माकुमारीज़ के सिविल लाइंस सेवाकेंद्र में आयोजित कार्यक्रम में गायनेकोलॉजिस्ट एवं काउंसलर पूर्व अध्यक्ष एवं सचिव आई.एम.ए. की बबिता गुप्ता, ज्योति चौधरी,एंटी रोमियो स्क्वाड, नीतू सक्सेना,विधिक सदस्य, ब्र.कु. अल्का दीदी, ब्र.कु. आशा दीदी,सेवाकेंद्र संचालिका, ब्र.कु. शीला दीदी तथा अन्य भाई-बहनें शामिल रहे।

कटनी-म.प्र.। जिला न्यायाधीश धर्मिंदर सिंह राठौर को ईश्वरीय संदेश देने के पश्चात् उनके साथ समूह चित्र में कटनी सिविल लाइन सेवाकेंद्र से ब्र.कु. लक्ष्मी बहन, ब्र.कु. सविता बहन, ब्र.कु. सुमन बहन, ब्र.कु. नेहा बहन, ब्र.कु. ज्योति बहन एवं सोमती माता।

छानी-राज.। महाशिवरात्रि के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित हैं स्थानीय सेवाकेंद्र संचालिका ब्र.कु. कुसुम बहन, साहवा सेवाकेंद्र संचालिका ब्र.कु. भगवती बहन, सरपंच नथु मान तथा अन्य।

पानीपत के थिराना स्थित ब्रह्माकुमारीज़ के ज्ञान मानसरोवर में रशियन कलाकारों द्वारा आयोजित हुआ भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम

कला के सही उपयोग द्वारा की जा सकती है एक उत्तम समाज की रचना - संतोष दीदी

- विदेशी कलाकारों की कला को देख झूम उठे लोग
- हज़ारों की संख्या में पहुंचे शहरवासी और गांववासी

पानीपत-हरियाणा। पानीपत के थिराना स्थित ब्रह्माकुमारीज़ के ज्ञान मानसरोवर में रशिया से पहुंचे कलाकारों ने भारतीय संस्कृति पर आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रम की सुंदर प्रस्तुति दी। इस मौके पर पानीपत सर्कल इंचार्ज राजयोगिनी ब्र.कु. सरला दीदी, रशिया से अपने आर्टिस्ट ग्रुप के साथ आईं वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका ब्र.कु. संतोष दीदी, जी.आर.सी निदेशक ब्र.कु. भारत भूषण, डॉ. बिन्नी,ग्लोबल हॉस्पिटल माउण्ट आबू, डॉ. एन्थनी राजु,अध्यक्ष, इंटरनेशनल ह्यूमन राइट्स एडवाइज़री कौंसिल सहित स्थानीय ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेंद्रों की इंचार्ज बहनें उपस्थित रहीं।

लघु नाटिका के माध्यम से दिया गुण धारण करने का संदेश

कार्यक्रम में रशियन कलाकारों ने भारतीय देशभक्ति से जुड़े गीतों पर अपनी प्रस्तुति दी, जैसे देश रंगीला आदि...। इसके अलावा भगवान शिव की महिमा के गीतों और कुछ रशियन सॉन्ग्स पर भी उन्होंने नृत्य किया। एक लघु नाटिका के माध्यम से संदेश दिया कि मानव को आसुरी वृत्तियां छोड़ दैवी गुण धारण करने चाहिए। लेने की जगह हममें देने की भावना हो।

कलाकार 20 वर्षों से सांस्कृतिक कार्यक्रम के माध्यम से दे रहे दिव्य संदेश

रशिया स्थित ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेन्द्रों की निदेशिका एवं रशिया के सांस्कृतिक कलाकारों की ग्रुप लीडर राजयोगिनी ब्र.कु. संतोष दीदी ने बताया कि पिछले 20 वर्षों से ये कलाकार भारत के अनेक स्थानों पर ज्ञानयोग से सजे सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति देते आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि कला की समाज को प्रभावित करने में बड़ी महत्वपूर्ण भूमिका है। यदि इस शक्तिशाली माध्यम का सही उपयोग किया जाए तो मानव की मनोवृतियों को श्रेष्ठ बनाकर एक उत्तम समाज की रचना की जा सकती है। इसलिए इस डिवाइन लाइट ग्रुप का लक्ष्य भी यही है कि अपनी कला के माध्यम से मानव जीवन के तनाव को कम करके आध्यात्मिक रूप से सशक्त बनाएं। राजयोगी ब्र.कु. भारत भूषण ने सभी कलाकारों का शब्दों के माध्यम से आभार प्रकट किया और भविष्य में फिर से पानीपत में आने का निमंत्रण भी दिया।

इस अवसर पर 14वीं इंटरनेशनल वुमेन एम्पावरमेंट सम्मिट एवं अवॉर्ड-2024 का भी आयोजन हुआ। कार्यक्रम के अंत में डॉ. एन्थनी राजू,वैश्विक अध्यक्ष,इंटरनेशनल ह्यूमन राइट्स एडवाइज़री कौंसिल, डॉ. ज़ूम,अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष,महिला विंग,ऑल इंडिया कौंसिल ऑफ ह्यूमन राइट्स, डॉ. बिन्नी,पीस एम्बेसडर,फाउंडर इनिशिएटिव फॉर पीस एंड वेल बीइंग द्वारा राजयोगिनी संतोष दीदी, राजयोगिनी सरला दीदी एवं राजयोगी भारत भूषण भाई को उनकी उत्कृष्ट सेवाओं के लिए सम्मानित किया गया।

श्रेष्ठ कर्म द्वारा रखी जाती है समृद्ध समाज की नींव : विधायक

- ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा टाउन हॉल में 'समृद्ध समाज की नींव तनाव मुक्त जीवन' कार्यक्रम
- समाज के प्रसिद्ध समाजसेवी सहित अनेक गणमान्य नागरिक रहे उपस्थित

- मौके पर विभिन्न सामाजिक संस्थाओं ने स्वामीनाथन भाई को किया सम्मानित

भुज-गुजरात। ब्रह्माकुमारीज़ के अय्या नगर सेवाकेंद्र एवं संस्था के समाज सेवा प्रभाग द्वारा टाउन हॉल में 'समृद्ध समाज की नींव तनाव मुक्त जीवन' विषय आयोजित कार्यक्रम में विधायक केशुभाई पटेल ने कहा कि समृद्ध समाज की नींव हमारे श्रेष्ठ कर्म द्वारा ही रखी जाती है। पिछले 25 वर्षों से समाज में साधन तो बढ़ गए लेकिन हमारे मन का संतोष, सुख खत्म होता चला गया। आज हमें प्रकृति और संस्कृति को साथ लेकर चलने की आवश्यकता है। तभी हम समृद्ध समाज बना पाएंगे और हमारा जीवन तनावमुक्त होगा। मुख्य वक्ता, मोटिवेशनल स्पीकर व समाज सेवा प्रभाग के ज़ोनल कोऑर्डिनेटर ब्र.कु. स्वामीनाथन भाई ने कहा कि हम माता-पिता और शिक्षक बच्चों को इंजीनियर, डॉक्टर आदि बनाने की बहुत कोशिश करते हैं लेकिन जीवन कैसे जीना है ये बताना भूल जाते हैं। इसलिए बच्चे जीवन के बारे में गूगल में ढूंढते हैं। जबकि बच्चा जीवन में जब भी निराश होगा तब आपकी भावनाएं ही उसको शक्ति देंगी। गांधीधाम सेवाकेंद्र की संचालिका ब्र.कु. भारती दीदी ने कहा कि मन को मेडिटेशन के द्वारा सशक्त बना सकते हैं। जब हमारा मन स्वस्थ होगा तब हमारा शरीर भी स्वस्थ होगा। जब हमारा शरीर स्वस्थ होगा तब हम एक समृद्ध समाज की स्थापना कर पाएंगे। समाज सेवा प्रभाग के मुख्यालय संयोजक ब्र.कु. बीरेंद्र भाई ने प्रभाग का उद्देश्य बताते हुए कहा कि हमें अपनी शक्ति को पहचान कर उसे सेवा के कार्य में लगाने की आवश्यकता है। कच्छ मित्र न्यूज़पेपर के संपादक दीपक माकड़ ने कहा कि ब्रह्माकुमारी संस्था द्वारा जो तनावमुक्त जीवन का प्रशिक्षण दिया जाता है और जिस तरह से यहां मेडिटेशन सिखाया जाता है वह अनुकरणीय है। समाज रत्न विनोद सोलंकी व डॉ. मुकेश चंदेल ने भी अपने विचार रखे।

आवश्यकता है अंदर की शक्ति को जगाने की : ब्र.कु. विद्या

'महिला सशक्तिकरण के लिये परमात्मा शिव द्वारा सकारात्मक परिवर्तन' कार्यक्रम

अम्बिकापुर-चोपड़ापारा(छ.ग.)। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर ब्रह्माकुमारीज़ के नव विश्व भवन में 'महिला सशक्तिकरण के लिये परमात्मा शिव द्वारा सकारात्मक परिवर्तन' विषय पर आयोजित कार्यक्रम में सरगुजा संभाग की सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. विद्या दीदी ने कहा कि नारी में अदम्य शक्ति व साहस है। मातृशक्ति यदि चाह ले तो वो अपने घर, समाज व देश को स्वर्ग भी बना सकती है, और नर्क भी। इसी साहस व शक्ति को देखकर भगवान ने भी माताओं के सिर पर ज्ञान का कलश रखा है। इसलिये आदि शक्ति माताओं और बहनों के अंदर की शक्ति को जागृत करने की आवश्यकता है। समाजसेविका शिल्पा पाण्डे ने कहा कि महिला शक्ति सशक्त तभी बन सकती है जब एक महिला शक्ति, दूसरे महिला शक्ति को सहयोग और सम्मान दे। तभी महिला सशक्तिकरण का संकल्प पूर्ण होगा। रीनू जैन,डायरेक्टर,के. आर. टेक्निकल कॉलेज अम्बिकापुर ने कहा कि राजयोग के माध्यम से हम सकारात्मकता की ओर जाते हैं, सकारात्मक होने के लिए बिज़ी रहना अति आवश्यक है। जो भी हुनर जिसमें है- उसी में आगे आयें। पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष फुलेश्वरी जी ने कहा कि यदि हम सभी महिलायें इस आध्यात्मिक ज्ञान को जीवन में

धारण करें तो निश्चित रूप से आगे बढ़ेंगे और ये धरती भी स्वर्ग बन जायेगी। होली क्रॉस हॉस्पिटल व्यवस्थापिका सिस्टर टोप्पो, अनिल मिश्रा, मीरा साहू,प्रचार्या सरस्वती शिशु मन्दिर अम्बिकापुर, श्वेता सिन्हा,प्राचार्या मॉडर्न कान्वेन्ट स्कूल कल्याणपुर, महालक्ष्मी जी,डी.एस.पी. सूरजपुर ने भी अपनी शुभकामनाएं दीं। इस मौके पर जादूगर सम्राट हैरी ने अपने रंगीन मायाजाल जादू से सभी का भरपूर मनोरंजन किया।

महिला दिवस पर विश्व शांति सरोवर में 'शिवशक्ति स्नेह मिलन' का सफल आयोजन

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में नागपुर विभाग की संचालिका राजयोगिनी ब्र.कु. रजनी दीदी तथा डॉ. ब्र.कु. सुनीता दीदी को 24 स्टार प्राइड क्लब की प्रेसिडेंट डॉ. रिचा जैन तथा डायरेक्टर कविता सिंघानिया ने मोमेंटो भेंट कर सम्मानित किया।

नागपुर-महा.। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में ब्रह्माकुमारीज़ के अंतर्राष्ट्रीय प्रोजेक्ट 'शिवशक्ति लीडरशिप अप्रोच' के अंतर्गत 'नारी के चार स्वरूप अनादि, पारम्पारिक, आधुनिक और शक्ति' विषय पर महिलाओं के लिए 'शिवशक्ति स्नेह मिलन' का विश्व शांति सरोवर में आयोजन हुआ। इस अवसर पर श्रीमती रूपाली पवार,डिस्ट्रिक्ट जज, श्रीमती जस्टिस किर्ती शहा,सिविल जज, श्रीमती उर्मिला चांडक,वाइस प्रेसिडेंट, महेश्वरी महिला मंडल, श्रीमती डॉ. सुषमा देशमुख,प्रेसिडेंट ऑबे सोसायटी, श्रीमती छाया चतुर्वेदी, प्रिंसिपल,भारतीय कृष्णा विद्या विहार, श्रीमती किर्ती जांभुलकर, प्रेसिडेंट, डॉ. रिचा जैन,डायरेक्टर,रिचा क्लिनिक सहित शिवशक्ति की टीम मेम्बर मुम्बई मुलुंड वीणा नगर सेवाकेंद्र से ब्र.कु. प्रवीणा दीदी तथा भायखला-घोडपदेव मुम्बई से ब्र.कु. मालती दीदी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में वीडियो के माध्यम से राजयोगिनी ब्र.कु. सुदेश दीदी,संयुक्त मुख्य प्रशासिका,ब्रह्माकुमारीज़ तथा एडवाइज़र, शिवशक्ति लीडरशिप,भारत ने कहा कि आत्मा जो शरीर को चलाती है वो अनादि शक्ति है और आदि शक्ति लक्ष्मी, श्री सीता के गुणों की है। जब मनुष्य अपने ईगो को समाप्त करता है तब माताओं की शक्ति को पहचान उन्हें रिस्पेक्ट दे सकता है। सबसे बड़ी शक्ति सेल्फ रिस्पेक्ट की है।

राजयोगिनी डॉ. ब्र.कु. सुनीता दीदी,'शिवशक्ति लीडरशिप अप्रोच' के भारत क्षेत्र के फोकल प्वाइंट पर्सन ने राजयोग का अभ्यास कराते हुए अपने आंतरिक आत्मिक शक्ति स्वरूप की स्थिति से स्वयं के परिवर्तन द्वारा परिस्थिति पर विजय प्राप्त कर पुनः अपने खोये हुए अनादि स्वरूप को पाने की सुखद आंतरिक यात्रा कराई। नागपुर विभाग की संचालिका राजयोगिनी ब्र.कु. रजनी दीदी ने नारी के विभिन्न स्वरूपों का वर्णन करते हुए कहा कि यदि नारी दिव्यगुणों को अपना ले तो वो हर परिस्थिति में निवारण स्वरूप बन सकती है। उपसंचालिका ब्र.कु. मनीषा दीदी ने आभार व्यक्त किया। संचालन ब्र.कु.नीतू दीदी,टाकली ने किया।

'शिवशक्ति स्नेह मिलन' का उद्देश्य था महिलाओं को एक मित्रतापूर्ण और सुरक्षित माहौल में आंतरिक शक्तियों की अनुभूति कराकर सशक्त बनाना

इस मौके पर बेस्ट कॉन्सेप्ट अकादमी अवॉर्ड प्राप्त-नारी के चार स्वरूप का ऐतिहासिक पहलू दर्शाने वाली एक अद्भुत डॉक्यूमेंट्री लघु फिल्म भी दिखायी गई

RNI NO RAJHIN/2000/00721, POSTAL REGD. RJ/SIROHI/9623/24-26, Posting at Shantivan-307510 (Abu Road)
Licensed to post without prepayment RJ/WR/WPP/003/2024-26, Posting on 12th TO 14th and 22nd TO 24th each month, published on 12th April, 2024
स्वामी - आर.ई.आर.एफ, प्रकाशक, सम्पादक एवं मुद्रक- गंगाधर नरसिंघानी द्वारा कैपिटल ऑफसेट, L 801-I, Sector-28, GIDC Gandhinagar(Guj.) से मुद्रित एवं ओमशान्ति मीडिया, ब्रह्माकुमारीज़,शांतिवन-राज. से प्रकाशित।
कार्यालय - ओमशान्ति मीडिया ब्रह्माकुमारीज़, शांतिवन,- 307510
See Latest News
www.omshantimedia.org